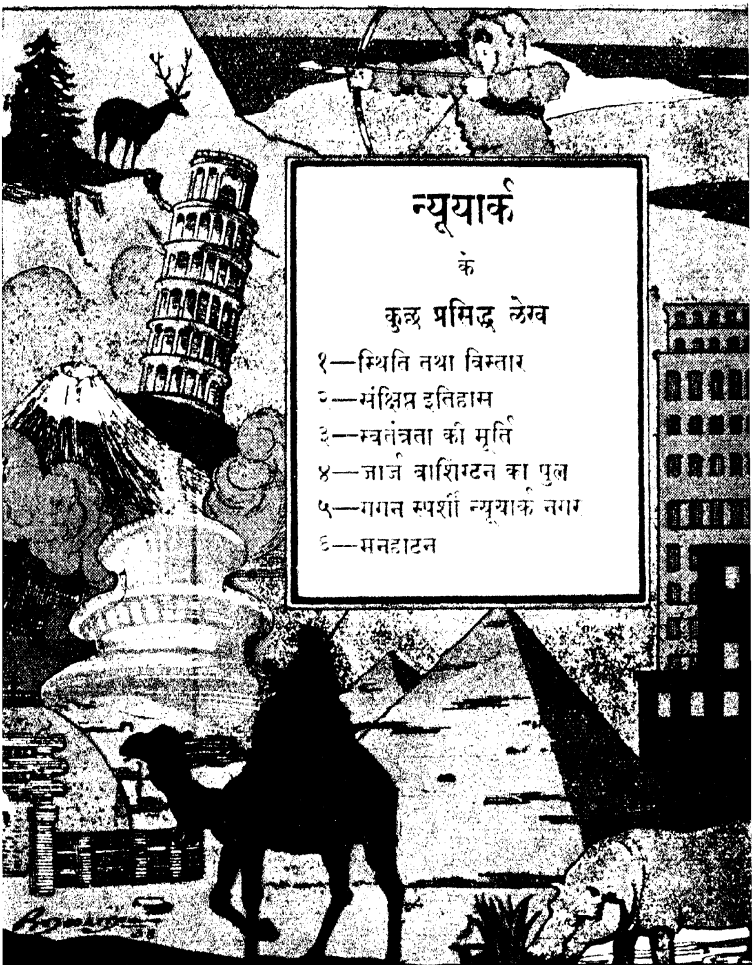
देश दर्शन

पूर्ण संख्या—३६



न्यूयार्क

के

कुछ प्रसिद्ध लेख

भूगोल कार्यालय — प्रयाग

अगस्त १९४२] # देश-दर्शन [श्रावण १९९९

(पुस्तकाकार सचित्र मासिक)

वर्ष ४] **न्यूयार्क** { संख्या २ / पूर्ण संख्या ३६

सम्पादक

पं० रामनारायण मिश्र, बी० ए०

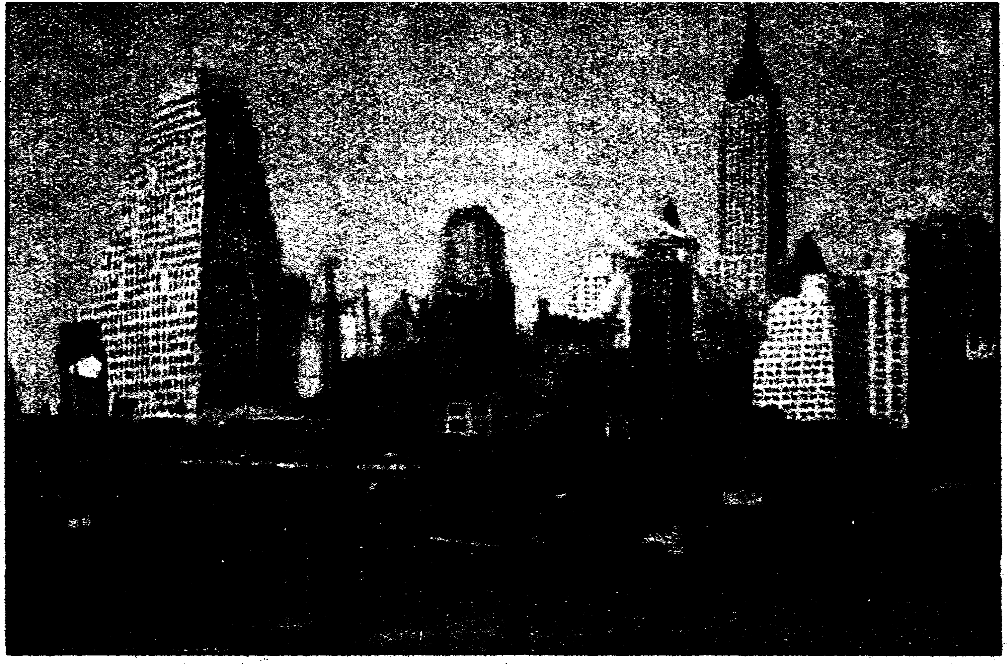
प्रकाशक

भूगोल कार्यालय, इलाहाबाद

Annual Subs. Rs. 4/-
Foreign Rs. 6/-
This copy As. -/6/-

वार्षिक मूल्य ४)
विदेश में ६)
इस प्रति का ।=)

विषय-सूची



न्यूयार्क शहर का एक दृश्य।

स्थिति

स्थिति तथा विस्तार

संयुक्त राष्ट्र अमरीका के न्यूजर्सी स्टेट (प्रान्त) का सबसे बड़ा नगर है। संयुक्त राष्ट्र में प्रवेश करने का यह द्वार है। न्यूयार्क की खाड़ी और पैज़ेक नदी पर न्यूयार्क नगर बसा है। न्यूयार्क नगर का क्षेत्रफल २३' ७८ वर्गमील है। नगर के सामने साढ़े दस मील तक समुद्र है। नगर में ३६५ मील छोटी सड़कें और ५११३८ भवन (दि० १६२७ के अनुसार) हैं। यह नगर मनहाटन और न्यूयार्क दो भागों में विभाजित है। नगर पैज़ेक नदी के पूर्वी तट पर बसा है। यह संयुक्त राष्ट्र अमरीका का सबसे बड़ा और संसार का दूसरा बड़ा नगर है। इस नगर की चौड़ी सड़कें १२० फुट चौड़ी और बाज़ार की सड़कें ६० फुट चौड़ी हैं। न्यूयार्क नगर में ३८ खेलने कूदने के बड़े मैदान हैं जिनका क्षे० फ० ११० एकड़ है। नगर में ३४८४ एकड़ भूमि में पार्क बने हैं। न्यूयार्क की जनसंख्या वर्तमान समय में लगभग एक करोड़ है। इसमें न्यूयार्क नगर, बन्दरगाह और मनहाटन की जनसंख्या सम्मिलित है। संसार का


न्यू यार्क शहर
और
समीपवर्ती प्रदेश
कारबारी भाग
कारखानें
बस्तियाँ
बगीचे और खेल के मैदान
पैमाना—अंग्रेजी मील
न्यू यार्क
न्यू जर्सी

न्यूयार्क-दर्शन

सबसे बड़ा नगर लन्दन है जिसकी जनसंख्या ७० लाख है। कुछ लोगों का ध्यान है ग्रेटर (बड़े) लन्दन की जनसंख्या ग्रेटर न्यूयार्क से अधिक है।

न्यूयार्क नगर मनहाटन पहाड़ी द्वीप पर बसा है। यह संयुक्त राष्ट्र अमरीका का आर्थिक, व्यापारिक तथा जहाज़ी राजधानी है। अलबोनी नगर हडसन नदी पर बसा है जो न्यूयार्क राज्य की राजधानी है। न्यूयार्क में न्यूयार्क ब्रोन्स्क, ब्रुक्लीन, क्वीन्स रिचमॉंड आदि ५ बरो* सम्मिलित हैं।

न्यूयार्क का बन्दरगाह नई दुनिया का सबसे बड़ा बन्दरगाह है। इसके पीछे दुनिया का अंग्रेज़ी भाषा का सबसे बड़ा संसार स्थित है।

---

*बरो उस नगर को कहते हैं जिसे पार्लियामेंट में सदस्य भेजने का अधिकार रहता है।

प्राचीन नगर

नगर की नवीनता और प्राचीनता

न्यूयार्क नगर संसार के दूसरे नगरों से प्रत्येक भांति भिन्न है। न्यूयार्क नगर अपनी प्रजा की अपेक्षा इतना अधिक बड़ा है कि निवासियों को छोड़ नगर का ही वर्णन किया जाता है। संसार में दूसरे स्थानों पर निवासी नगर बनाते हैं परन्तु न्यूयार्क में नगर ही निवासियों को बनाता है।

न्यूयार्क को हम युवा तथा वृद्ध (आधुनिक और प्राचीन) दोनों ही कह सकते हैं। नगर में आज की आधुनिकता के चिन्ह हैं। फिर भी वह ३०० वर्ष का पुराना नगर है। नगर के भिन्न भागों में नवीनता के चिन्ह पाये जाते हैं। बड़े बड़े बाज़ार, हज़ारों नवीन सुन्दर भवन को देखने से पता चलता है कि नगर प्रायः नया है परन्तु नगर में सेंट मार्क जैसे प्राचीन चर्च तथा दूसरे स्थान हैं। सेंट मार्क चर्च में न्यूयार्क के उस काल के शासक की समाधि है जबकि महारानी एलिज़बेथ इङ्गलैण्ड में शासन करती थीं। उस समय भारतवर्ष में अकबर और जहांगीर का शासनकाल था।

न्यूयार्क-दर्शन

न्यूयार्क में सबसे प्रथम ऐड्रियन ब्लाक ने कुछ घर बनाये जो ३०० वर्ष से पूर्व की बात है। अमरीका का सर्व प्रथम जहाज़ न्यूयार्क नगर में ही बना और समुद्र में उतारा गया। उस जहाज़ का नाम अनरेस्ट था। अनरेस्ट जहाज़ का नाम ही न्यूयार्क नगर की चंचलता का सूचक है। किसी भी कार्य को न्यूयार्क नगर तेज़ी के साथ निर्माण करता है और शीघ्रतापूर्वक उन्नति करता है फिर नई नवीनता लाने के लिये उसे शीघ्रतापूर्वक नष्ट कर देता है। यही न्यूयार्क नगर में बालपन का चिन्ह है। निवास भवन तथा बाज़ार के मकान जादू की भांति गगन स्पर्शी बनाये जाते हैं और फिर पंक्ति के पंक्ति जादू की भांति नष्ट भी कर दिये जाते हैं। प्रजा सम्बन्धी अथवा निजी उन्नति के मार्ग में बाधा उपस्थित करने वाला स्थान अथवा वस्तु बहुमूल्य तथा नवीन होते हुये भी शीघ्रातिशीघ्र नष्ट कर दी जाती है। सुन्दर सड़कों, बाज़ारों, पुलों और भवनों की पंक्तियों को नष्ट करके ऐसा स्थान निर्माण किया जाता है जिसका उदाहरण संसार में मिलना कठिन हो जाता है।

देश दर्शन

न्यूयार्क निवासी अथवा दूसरे लोग जब कभी न्यूयार्क के सम्बन्ध में कुछ कहते हैं तो उनका तात्पर्य मनहाटन बरो से होता है। मनाटन शब्द इंडियन (अमरीकन) भाषा का है। मनाटन से अमरीकन मनहाटन शब्द बना लिया गया।

न्यूयार्क में छोटे बड़े सभी जाति के लोग आकर एकत्रित होते हैं। धन-कुबेर, पूंजीपति, रेलों तथा कारखानों के मालिक, कानूनी विशेषज्ञ, डाक्टर, सम्पादक, लेखक, कलाकार आदि सभी नगर में आते हैं। दूसरे नगर न्यूयार्क को शत्रुवत दृष्टि से देखते हैं फिर भी वहाँ के निवासी दूसरी ही गाड़ी से न्यूयार्क पहुँचने के इच्छुक रहते हैं।

न्यूयार्क एक सुरक्षित नगर है वहाँ लक्ष्मी प्रसन्नता पूर्वक प्रवेश करती हैं और साधारण व्यक्ति सुरक्षित जीवन व्यतीत कर सकता है। यह नगर सम्पत्ति में कुबेर है। जिस नगर में धन अधिक होता है वहाँ प्राकृतिक रूप से हत्याएँ, चोरियाँ, डाके, ठगी आदि के जुर्म किये जाते हैं। यही दशा न्यूयार्क की भी है परन्तु

जो लोग रक्षा के इच्छुक हैं उनके समीप प्राकृतिक रूप से रक्षा पहुँच भी जाती है।

न्यूयार्क तथा संसार के दूसरे नगरों के निवासी न्यूयार्क नगर की आलोचना करते हैं। परन्तु फिर भी यह नगर इतना बड़ा है कि यहाँ के निवासियों और दूसरे अमरीकनों को यदि न्यूयार्क निवासी कह कर सम्बोधित किया जाता है तो गर्व से उनका हृदय प्रफुल्लित हो उठता है।

न्यूयार्क नगर नदियों तथा खाड़ी के मध्य स्थित होने के कारण बाहर तथा आस-पास बढ़ने का स्थान न पाकर आकाश की ओर बढ़ा। बड़े बड़े दफ्तर एक ही ३० तल्ले या चालीस तल्ले वाले भवन में स्थित हैं और उनमें हज़ारों व्यक्ति काम कर रहे हैं। प्रत्येक दफ्तर में बैंक अथवा शाखा-बैंक हैं। ऊपर के स्थानों पर लोग एलिवेटर द्वारा पहुँचते हैं। इन ऊँची पंक्तियों के मध्यवर्ती गली में चलना पर्वतों की मध्यवर्ती घाटी वाली सड़क में चलना है। धूप के समय भी गलियों में छाया रहती है। नगर में भूमि के ऊपर

७०० फुट की ऊँचाई तक स्थान निजी घर कारखानों अथवा दफ़्तर बनाने के लिये खरीद सकता है।

न्यूयार्क के बड़े होने के कारण ही १८६१ ई० में न्यूयार्क के मेअर फर्नेंडो उड ने कामन कौंसिल में प्रस्ताव किया था कि नगर यूनियन (संघ शासन) से अलग होकर स्वतन्त्र नगरों की अपेक्षा अधिक उन्नतिशील बनाना चाहता था। वह उसे संसार का सबसे अनोखा स्थान बनाना चाहता था। स्टेटेन द्वीप और ब्रूक्लीन नगर में सम्मिलित होने को थे और न्यूयार्क का ट्रिइन्सुला नाम होने को था परन्तु सुम्तेर क़िले के गोलीकांड के कारण यह प्रस्ताव हटा कर एक ओर रख दिया गया फिर भुला दिया गया।

न्यूयार्क नगर में प्रत्येक धर्म के मानने वाले और प्रत्येक देश के निवासी को रहने का स्थान मिल सकता है। उसे केवल न्यूयार्क का निवासी होकर वहाँ का नागरिक होने की घोषणा करनी पड़ेगी। वहाँ प्रत्येक मत का मानने वाला स्वतन्त्रता पूर्वक रह सकता है। कहा जाता है कि १६४३ ई० में इस नगर में १८ राष्ट्रों के निवासी थे। संसार में गत तीन सौ वर्षों में फांसी

के अभियोगी, देशद्रोही, सरकार द्रोही, धार्मिक समाजवादी आदि भाँति-भाँति के लोग न्यूयार्क में आकर शरण लेते रहे हैं।

न्यूयार्क नगर एक बड़ा परिवर्तनशील नगर है। नगर की मोहर (छाप) ही परिवर्तनशील होने की एक मात्र उदाहरण है। मोहर में अमरीकन इंडियन की प्राचीन रूप रेखा से लेकर आज तक जितने परिवर्तन हुये हैं सभों के उदाहरण वर्तमान हैं। ब्राडवे, लांग द्वीप, मैडेन लेन, कोर्टलैंड स्ट्रीट, पार्क रो और दूसरे स्थानों पर प्राचीन हवाई चक्कियाँ तथा दूसरी प्राचीन स्मृतियों के चिन्ह हैं। कुछ स्थानों पर अब भी प्राचीन हवाई चक्कियाँ वर्तमान हैं। न्यूयार्क की ढाल, टिकट और मोहरों को देख कर नगर में परिवर्तन होने वाले विभिन्न परिवर्तनों के इतिहास की रूप रेखा सामने आ जाती है।

संक्षिप्त इतिहास

न्ययार्क का प्राचीन इतिहास अज्ञात है परन्तु जब से योरुप निवासी वहाँ गये तब से नगर का ऐतिहासिक तथा भौगोलिक वर्णन मिलता है। १५२४ ई० में फ्लोरेंटाइन और वेराज़नी नाम के योरुपीय न्यूयार्क का पता लगाने गये। उसके पश्चात् और दूसरे लोग गये। १६०६ ई० में डच ईस्ट इण्डिया कम्पनी का हडसन नामक अँग्रेज़ कर्मचारी हाफमून नामक जहाज़ लेकर हडसन खाड़ी में पहुँचा। वह मनहाटन में ठहरा और अमरीकन इण्डियन लोगों के साथ फ़र का व्यापार आरम्भ किया। हडसन ने अपने डच मालिकों को सूचना भेज दी थी कि अमरीका के इण्डियन निवासियों से फर लेकर उन्हें दूसरी दैनिक प्रयोग की वस्तुएँ दी जा सकती हैं।

हडसन के कथनानुसार डच लोग तयार हो गये और मनहाटन द्वीप के तट पर तथा अल्बानी में अपने व्यापारिक स्थान बनाये। हडसन के पश्चात् ऐडी ऐड्रियन ब्लाक न्यूयार्क गया उसने ४२ फुट का एक रेस्टलेस नामक प्रथम जहाज बना कर पानी में उतारा। डच लोगों ने मनहाटन द्वीप में न्यूऐम्स्टर्डम नामक नई

बस्ती बसाई। इस बस्ती की नींव १६१३ ई० में डाली गई थी। धीरे-धीरे डच लोगों ने अपना अधिकार जमाना आरम्भ किया और १६२५ ई० में लगभग ५ पौंड के मूल्य के रेशमी फाते, माले और वस्त्र आदि देकर डच लोगों ने मनहाटन द्वीप को इण्डियन लोगों से मोल ले लिया।

डच लोगों की उन्नति होते देख स्वीडन निवासियों के मुँह में पानी भर आया और वह भी अमरीका पहुँचे तथा देलवोर नदी पर अपनी बस्तियाँ बसाईं परन्तु डच लोगों ने उन्हें छीन लिया। अँग्रेज़ व्यापारी भी न्यू इंगलैंड और वर्जीनिया में उन्नति कर रहे थे। उनकी उन्नति देख कर डच लोगों को भय प्रतीत हुआ इसलिये अपनी रक्षा के लिये उन्होंने एक बड़ी दीवार बनाई जो अब वाल स्ट्रीट के नाम से प्रसिद्ध है। अंग्रेज़ों और डच लोगों में अमरीकन धरती के लिये मनमोटाव होने लगा था। अंग्रेज़ कहते थे कि मनहाटन आदि का पता कैबट नामक अँग्रेज ने लगाया है और डच का कहना था कि हडसन ने उसकी खोज की है। डच व्यापारी थे परन्तु अँग्रेज़ कृषक भी थे इसलिये कृषक लोगों की नींव धरती पर

अधिक पक्की जमने लगी थी। जब इंगलैंड के राजा चार्ल्स द्वितीय ने अपने भाई यार्क के ड्यूकजेम्स को अमरीका की डच भूमि दे दी तब अँग्रेज़ों और डच लोगों में युद्धाग्नि धधक उठी। १६६४ ई० में एक अँग्रेज़ी जहाजी बेड़ा मनहाटन पहुँचा उसके भय से डच लोगों ने हथियार डाल दिये और अँग्रेज़ों की बात स्वीकार करने पर तयार हो गये। न्यू ऐम्स्टर्डम, न्यूयार्क, अलबानी, मनहाटन, न्यूजर्मी, स्टेटेक और लांगद्वीप में अँग्रेज़ों का अधिकार हो गया।

१६७३ ई० में एक डच जहाजी जंगी बेड़ा न्यूयार्क गया और नगर को अँग्रेज़ों से छीन लिया परन्तु वेस्टमिनिस्टर की सन्धि के अनुसार वह फिर अँग्रेज़ों को लौटा दिया गया। उसके बाद ह्यूजोनाट (फ्रान्सीसी), जर्मन, अँग्रेज, डच, स्वीडन निवासी तथा दूसरे योरुपीय न्यूयार्क में बसने लगे। कुछ लोग वर्जीनिया और न्यू इंगलैंएड से आकर बस गये। न्यूयार्क में बहुत से लोग जबरदस्ती अथवा ऋण के दबाव से लाकर बसाये गये थे।

जब तक न्यूयार्क अँग्रेज़ झंडे के नीचे रहा उसे

भाँति भाँति के सङ्कटों का सामना करना पड़ा। १६८८ ई० में इङ्गलैंड के राजा के भाग जाने का समाचार न्यूयार्क पहुँचा। समाचार पहुँचते ही न्ययार्क में बलवा हो गया। विप्लव के समय न्यूयार्क में दो दल हो गये थे। एक का कहना था कि अब राजा की अनुपस्थिति में न्यूयार्क को अपने अफसर चुन लेने का पूर्ण अधिकार है इसलिये अपने अफसर चुन कर शासन की बागडोर उनके हाथ में सौंप दी जानी चाहिये। दूसरे दल का कहना था कि नहीं, जो अफसर पदों पर नियुक्त हैं उन्हें ही अपना काम उस समय तक करना चाहिये जब तक कि राजा विलियम उनके स्थान पर दूसरे लोगों की नियुक्तियाँ न कर दें। विप्लवकाल में न्यूयार्क नगर में खूब मार-काट तथा हत्याएँ हुईं।

जब अँग्रेजों और फ्रांसीसियों में युद्ध छिड़ा तो न्यूयार्क निवासी समुद्री मल्लाह से समुद्री डाकू बन गये और फ्रांसीसी तथा दूसरे जहाजों का पीछा करते थे और अच्छा स्थान तथा समय पाकर जहाज पर डाका डालते थे। जहाज के मल्लाहों को मार डालते थे और सामान छीन लेते थे।

इस लूट के माल में न्यूयार्क के गवरनर को भी कुछ भाग दिया जाता था। धीरे धीरे समुद्री डाकुवों की चर्चा इंगलैण्ड पहुँची और वहाँ से एक दूसरा गवरनर यह कह कर भेजा गया कि वह समुद्री डाकुओं को दबावे।

अमरीकन क्रान्ति के पूर्व न्ययार्क के समुद्री मल्लाहों तथा अँग्रेज़ों के मध्य झगड़ा रहता था। समुद्री मल्लाहों को अँग्रेज़ जंगी जहाज पकड़ ले जाते थे इसलिये मौक़ा पाकर न्यूयार्क के मल्लाह अँग्रेज़ जंगी जहाजों का खुल कर सामना करते थे। १७८३ ई० में जब अंग्रेज़ों ने न्यूयार्क छोड़ा तो नगर की जन संख्या २३००० थी। सन् १८१२ ई० में अमरीकन स्वतन्त्रता का युद्ध आरम्भ हुआ तो एक ब्रिटिश जंगी बेड़े ने न्यूयार्क पर अधिकार कर लिया और न्यूयार्क के व्यापार को रोक दिया।

१८०७-११ ई० तक न्यूयार्क का नवीन नगर बनाने की योजना तयार होती रही। योजना के अनुसार नगर का जो मानचित्र तयार किया गया उसमें १५५ छोटी बड़ी सड़कें बनाई गई थीं। उस समय के मानचित्र को यदि आज भी देखा जावे और उसकी तिथि

पर ध्यान न किया जावे तो वह आज भी नवीन प्रतीत होता है। सड़कों के दोनों ओर समकोण वाले सीधे भवन बनाने की योजना की गई थी। तीसरे से सातवें अवेन्यू तक जलाशय तथा सेना के ट्रेनिङ्ग के लिये स्थान बनाया गया था। १८५० ई० के लगभग न्यूयार्क का केन्द्रीय पार्क बनाया गया। उस समय न्यूयार्क नगर में विलियम गूलने ब्रयान्त (कवि), जार्ज बैंक्रोफ्त (ऐतिहासिक) और वाशिंग्टन इर्विन तीन प्रधान अफसर थे।

न्यूयार्क नगर उन्नति की ओर अग्रसर होने के कारण अपने नगर की प्रमुख घटनाओं तथा प्रमुख ऐतिहासिक मनुष्यों की ओर बहुत कम आकर्षित हुआ है। न्यूयार्क सदैव भविष्य की ओर देखता चला आ रहा है और भूतकाल की ओर से आँखें हटाता रहा है। इसी कारण क्रान्ति के समय जान तथा विलियम स्ट्रीट के समीप गोल्डन हिल पर जो घटना घटी उसका कोई चिन्ह न्यूयार्क में नहीं है। गोल्डन हिल से अमरीकन लिबर्टीपोल (स्वतन्त्रता का स्तम्भ) जब अंग्रेजों ने निकाल कर नीचे फेंक दिया तो गोल्डन हिल का युद्ध

जिसमें कितने ही अमरीकन लोगों की बहुमूल्य जानें मारी गईं परन्तु युद्ध समाप्त होने के पश्चात् न्यूयार्क इस घटना को भुला बैठा और कोई ऐतिहासिक स्मृति नहीं बनाई।

गोल्डन हिल प्रदेश में बिलियम स्ट्रीट में जान और फुल्टन गलियों के मध्य वाशिंग्टन इर्विङ्ग का जन्म हुआ था। इर्विङ्ग ने न्यूयार्क को अपना निवास-स्थान बनाया, उसका इतिहास लिखा तथा सेवा की परन्तु न्यूयार्क ने उसके लिये कुछ भी नहीं किया।

इर्विङ्ग की भाँति ही जोज़ेफ रोडमैन ड्रेक, एफ० होपकिंसन स्मिथ, मार्कोबोज़ारिस पुस्तक के लेखक, एडगर-अलान पो, हेनरी जेम्स, हार्डिंग डेविस, ब्रूनर, सिडनी लुस्का, विंथ्राप, प्रेसीडेण्ट ग्रांट, प्रेसीडेंट आर्थर, प्रेसीडेंट० मुनरो, प्रेसीडेंट रूज़वेल्ट आदि को भी न्यूयार्क ने भुला दिया है। यद्यपि इन व्यक्तियों ने नगर की बड़ी सेवा की और उसे उन्नति की ओर अग्रसर किया। जफरसन और जान ऐडन्स सभापतियों की भी कोई स्मृतियाँ नहीं हैं।

न्यूयार्क

न्यूयार्क के साहित्य के इतिहास में यह एक विचित्र बात है कि इसके आरम्भकालीन नेताओं में अधिकांश कवि थे। न्यूयार्क जैसे बड़े नगर में गद्य लेखकों की आशा करना अनिवार्य है। कवि, नाटककार, कहानी लेखक आदि व्यक्तियों ने न्यूयार्क में अच्छी उन्नति की परन्तु ऐतिहासिक तथा विज्ञान और तत्वशास्त्र के जानने वालों ने मनहाटन की धरती में अधिक उन्नति नहीं की।

न्यूयार्क नगर अति शीघ्रतापूर्वक भूलता तथा बेपरवाह हो जाता है। उसमें स्वयं इतना धन, भव्यता तथा बड़प्पन भरा है कि उसे अपनी बड़ाई के लिये परवाह करने की आवश्यकता ही नहीं है और यदि न्यूयार्क अपने भूतकाल की चिन्ता करता तो शायद वह संसार का सबसे बड़ा आधुनिक नगर न होता।

देश दर्शन

बेटरी पार्क

न्यूयार्क जैसे आधुनिक नगर में शान्तिमय स्थान का मिलना कठिन है फिर भी मनहाटन द्वीप के निचली अंतरीप से बेटरी स्थान पर पार्क तथा एक बड़ी दीवार है जहां शान्ति का राज्य है और विदीर्ण मनुष्य वहां जाकर अपनी प्यास बुझा सकता है। जार्ज वाशिंगटन अपने सभापतित्व काल में बेटरी की समुद्री दीवार में ही टहला करते थे। इस समुद्री दीवार पर अब भी नगर के निवासी आते हैं और टहलते तथा सुन्दर वायु का सेवन करते हैं।

बेटरी की खाड़ी से बेटरी पर सुगमता पूर्वक जाने का मार्ग है। इस खाड़ी के दोनों ओर लांग द्वीप अथवा न्यूजर्सी के ढालू तट हैं। सामने बांई ओर स्वतंत्रता देवी गाडेसे-लिबर्टी (स्वतंत्रता की देवी) की हरी मूर्ति है। दाहिनी ओर पुलों के बड़े मेहराब हैं। पानी के मध्य केन्द्रीय भाग में मकानों का समूह है। यह मकान ऊँचे नीचे स्वेत, हरे, भूरे, लाल आदि सभी प्रकार के हैं। इन भवनों के सामने बेटरी पार्क स्थित है। बेटरी का दृश्य बड़ा ही अनोखा है।

न्यूयार्क-दर्शन

शीत काल में संध्या के समय जब हज़ारों नावों का समूह खाड़ी में आता है और लाल, हरा तथा सफेद प्रकाश फेंकता है। उस समय लिबर्टी की चिकनी श्वेत मूर्ति बड़ी ही सुन्दर प्रतीत होती है। पुलों पर मोटरों के समूह, जुगनू तथा जादू चमकते, बुझते डोरे की भांति दिखाई पड़ते हैं। ऊपर घरों पर लाखों खिड़कियों द्वारा प्रकाश बाहर आता है जो नगर की पहाड़ी होने की सूचना देता है। उस समय बेटरी का दृश्य संसार के सर्वोत्तम दृश्यों में हो जाता है।

इसी बेटरी स्थान पर अमरीकन स्वतंत्रता का प्रेमी और वाशिंगटन के मित्र लफयेटे (फ्रांसीसी) का बड़े समारोह के साथ अमरीकन प्रजा ने स्वागत किया था। बेटरी में ही एडमिरल देवी का भी स्वागत हुआ था।

बेटरी की समुद्री दीवार के किनारे बेटरी पार्क के एक ओर कैसिल गार्डन (वाटिका) है। विदेश से आने वाले लोगों का पहले इसी स्थान पर स्वागत होता था। आरम्भ काल में यह एक गढ़ था। अब यह नगर का अक्वारियम है। इसी वाटिका में जेनीसिंड का प्रथम संगीत सम्मेलन हुआ था जिसमें बयार्ड टेलर ने

२०० पौंड का प्रथम पुरस्कार पाया था। इसी स्थान पर कार्डिफ जिन का प्रदर्शन किया गया था। बेटरी के दूसरी ओर प्राचीन ईस्टर्न होटल था। अक्वारियन के समीप वराजानी की पीतल की एक मूर्ति है। जिसकी नाक बहुत लम्बी है। ब्राडवे स्ट्रीट के आरम्भ होने वाले सिरे पर एक इटैलियन खोजक की मूर्ति है। ब्राडवे स्ट्रीट के दूसरे सिरे पर एक दूसरे प्रसिद्ध इटैलियन खोजक की मूर्ति है। जो फर्डीनैण्ड और इसेबेला के यहां कर्मचारी था।

खुले मैदान के दूसरी ओर जहां पार्क का घुमाव स्टेट स्ट्रीट की ओर है वहीं पर मकान न० ७ है जिसका वर्णन बूनर्स के कहानियों की पुस्तक में न्यूयार्क के एक घर के नाम से किया गया है। यह घर १८०० ई० के पूर्व बनाया गया था।

बेटरी पार्क के उत्तर बोलिंग ग्रीन स्थान है यहीं से ब्राडवे सड़क का आरम्भ होता है। इस सड़क के दाहिने सिरे पर एक चुङ्गी घर है जिसकी छत लाल रंग की है। बाईं ओर एक अधिक ऊँचा मकान है जिसकी छत काली तथा काले रंग की है। इन दोनों घरों के मध्य

बोलिंग ग्रीन के आगे एक बड़ी संकरी कन्दरा है जो बहुत गहरी है। इसके दोनों ओर गगनस्पर्शी भवन बने हुये हैं।

बोलिंग ग्रीन स्थान अंडाकार है। इसके चारों ओर लोहे के छड़ों का बाड़ा है। इस स्थान के सम्बन्ध में एक बड़ी मनोरंजक कहानी है जो न्यूयार्क के इतिहास में प्रसिद्ध है। स्टैम्प ऐक्ट के समाप्त होने पर बोलिंग ग्रीन के केन्द्रीय भाग में महाराज जार्ज तृतीय की और वाल स्ट्रीट में विलियमपिट की शीशे की मूर्तियां स्थापित की गई थीं। जार्ज तृतीय इंगलैण्ड के राजा और पिट प्रधान मन्त्री थे। अमरीकन क्रान्तिकाल (१७७६) में यह मूर्तियां अमरीकन द्वारा नष्ट कर डाली गईं। पिट के मूर्ति का नष्ट किया भाग न्यूयार्क नगर के ऐतिहासिक संस्था में अब भी रक्खा है परन्तु जार्ज तृतीय की मूर्ति के नष्ट करने से जो सीसा प्राप्त हुआ था उससे बन्दूक की गोलियाँ कनेक्टीकर के लिचफील्ड स्थान पर बनाई गई थीं। मूर्ति के शीशे से कुल ४२०८८ गोलियां बनी थीं। इस घटना का वर्णन ओलिका ओल्कोट ने

अपने लेख में किया है। ओल्कोट अमरीकन घोषणा पत्र के हस्ताक्षर करने वाले व्यक्तियों में से है।

स्टैच्यू आफ लिबर्टी

(स्वतन्त्रता की मूर्ति)

स्टैच्यू आफ लिबर्टी (स्वतन्त्रता की मूर्ति) न्यूयार्क की खाड़ी पर बेडलोए द्वीप पर स्थित है। यह मूर्ति १८८६ ई० में बना कर खड़ी की गई थी तब से यह संयुक्तराष्ट्र अमरीका की स्वतन्त्रता की सूचना दे रही है। इस मूर्ति पर "दि स्टैच्यू आफ लिबर्टी एन्लाइटिनिंग दि वर्ल्ड" (स्वतन्त्रता की मूर्ति संसार को प्रकाशित करती है) का वाक्य खुदा हुआ है। यह शिलालेख अमरीका में प्रवेश करने वालों को स्वतन्त्रता की सूचना देता है।

इस मूर्ति को फ्रैड्रिक बार्थोल्डी नामक कलाकार ने ७ लाख शिलिंग लागत लगाकर तयार किया था। यह धन फ्रांस के निवासियों ने एकत्रित कर के दिया था। मूर्ति की कुर्सी अथवा चौकी के बनाने में ३ लाख

शिलिंग व्यय हुये थे जिसे अमरीकन नागरिकों ने दिया था। अमरीकन स्वतन्त्रता की घोषणा के ११० वर्ष पश्चात् यह मूर्ति १८८६ ई० में स्थापित की गई थी। इस मूर्ति का ढांचा स्पात का बना है जिस पर पीतल की चद्दर चढ़ी है। वर्षों से वर्षा का पानी खाने के कारण मूर्ति का रंग हरा-नीला हो गया है। स्वतन्त्रता की मूर्ति के आकाश की ओर उठे हाथ में प्रकाश अथवा ज्ञान की टार्च (बत्ती) है और दूसरे हाथ में एक पुस्तक है जिसके नियम स्वतन्त्रता पर निर्भर करते हैं।

इस मूर्ति के दर्शक मूर्ति के भीतर प्रवेश करके उसके भीतरी सीढ़ियों से ऊपर की ओर चढ़ सकते हैं। सिर पर जाने के लिये एक सीढ़ी मार्ग है जिसमें १६१ सीढ़ियाँ हैं। सिर पर ४० व्यक्तियों के समाने का स्थान है। टार्च को जाने के लिये भी एक सीढ़ी है। टार्च पर १२ व्यक्तियों के ठहरने का स्थान है। मूर्ति और कुर्सी की समस्त ऊँचाई १५१ फुट है। इस मूर्ति के सिरे से न्यूयार्क नगर तथा बन्दरगाह का सुन्दर अवलोकन होता है।

इस मूर्ति का भार २२५ टन (लगभग ६३०० मन) है। मूर्ति के ढाँचे को ढकने वाले पीतल के पत्र की मोटाई ३/१६ इंच है। हाथों की लम्बाई साढ़े सोलह फुट, अँगुली ८ फुट और नाखून १३ इंच लम्बे और १० इंच चौड़े हैं। चौकी अथवा कुर्सी धरती पर ६२ फुट वर्गाकार है और उसकी ऊँचाई ८९ फुट है।

१९३१ ई० में इस मूर्ति में प्रकाश की वृद्धि की गई और कुर्सी में १००० वाट की ९६ बत्तियाँ लगाई गईं। हस्त टार्च में १००० वाट की १४ बत्तियों की शक्ति की प्रकाश बत्ती लगाई गई। रात को समस्त मूर्ति प्रकाशित की जाती है।

न्यूयार्क बन्दरगाह की यह प्रकाशित मूर्ति सत्य रूप में एक आधुनिक आश्चर्यजनक वस्तु है। यह आश्चर्यजनक वस्तु प्राचीनकाल के संसार के सात आश्चर्यजनक वस्तुओं में रोडेस के कोलोसस को चुनौती देने वाली है।

न्यूयार्क

प्लेनेटारियम

न्यूयार्क नगर में नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम (प्राकृतिक ऐतिहासिक कौतुकालय) के समीप हेडेन यन्त्र है। यह यन्त्र आधुनिक विज्ञानकला का अलाउद्दीन लैम्प कहा जा सकता है। इसमें नक्षत्र और तारागणों के चलने का रूप बनावटी तौर पर दिखाया है। जब यह यन्त्र चालू होता है तो यही प्रतीत होता है कि रात का आकाश कमरे में बन्द करके रख दिया गया है।

यह प्लेनेटारियम यन्त्र एक छोटे भवन में अर्द्ध-व्यासाकार गुम्बद पर रक्खा गया है जो आकाश के उल्टे कटोरे का सूचक है। इस गुम्बद के भीतर की ओर इस यन्त्र द्वारा सूर्य, तारागण, नक्षत्र आदि का प्रकाश फेंका जाता है। यंत्र के संचालन का कार्य ज्योतिष शास्त्र के विद्वान कुशल इञ्जीनियर करते हैं। इस यन्त्र की रचना इतनी चतुरता से की गई है कि यह किसी समय भी नक्षत्रों और ग्रहों को उनकी अनुपातिक

चाल के साथ संचालित कर सकता है। इस गोलाकार कमरे के भीतर बैठा हुआ मनुष्य कभी कभी तो धोके में पड़ जाता है और समझता है कि वह बाहर आकाश के नीचे बैठा हुआ है।

सूर्य, चन्द्र और दूसरे ग्रह तथा नक्षत्रों की चाल जो हम शायद २४ घंटे में एक बार देखते हैं वहाँ कमरे में कुछ सिकंडों में ही उनका अवलोकन कर सकते हैं। वे सभी अपनी अपनी चाल के हिसाब से अपने अपने स्थान पर चलते तथा चक्कर लगाते दिखाई पड़ते हैं। किसी भी समय के आकाश का ऐतिहासिक दृश्य (जैसे ईसा के जन्म काल का) एक यंत्र द्वारा दिखाया जा सकता है। अब हज़ारों वर्ष भविष्य में घटित होने वाला अलौकिक दृश्य भी दिखाया जा सकता है। इस यन्त्र से सूर्य तथा चन्द्रग्रहण पड़ने का सुन्दर दृश्य दिखाया जा सकता है। भिन्न-भिन्न अथवा सूर्य ग्रहणों के समय भिन्न भिन्न ग्रहों के स्थान दिखाये जा सकते हैं। हैली पुच्छल तारे का १६१० ई० में जैसा दृश्य दिखाई पड़ा था ठीक वैसा ही अब भी दिखाया जा सकता है। नक्षत्रों के टूट कर गिरने का तमाशा भो सुन्दर ढंग से दिखाया जाता है।

न्यूयार्क-दर्शन

आकाश का दृश्य प्रदर्शन करते समय एक वक्ता प्रत्येक बात को साफ साफ समझाता जाता है जिससे दर्शकों को प्रत्येक आकाश सम्बन्धी घटना समझ में आती जाती है। इस यंत्र द्वारा एक 'आकाश लेख' में हम तारागणों तथा नक्षत्रों के सम्बन्ध में जितनी योग्यता प्राप्त कर सकते हैं उतनी शायद टेलिस्कोप और पुस्तकों की सहायता से हफ्तों में भी प्राप्त नहीं कर सकते। यह यंत्र यथार्थ रूप से ज्योतिष तथा विज्ञान शास्त्र की एक बड़ी अनोखी वस्तु है।

जार्ज वाशिंगटन का पुल

यह पुल संसार के दो सर्वप्रसिद्ध पुलों में से है। यह पुल हडसन नदी में फोर्ट ली, न्यू जर्सी और मनहाटन द्वीप के मध्य बना है। सैन फ्रांसिस्को के गोल्डेन गेट पुल के तयार होने (१९३७) के पूर्व यह पुल संसार का सबसे लम्बा पुल था।

इस पुल का बनना १९२७ ई० में आरम्भ हुआ और १९३१ ई० में बन कर तयार हो गया। इसके

बनाने में २१ करोड़ रूपये लगे। जिन चार तारों पर यह पुल लटकता है उनमें से प्रत्येक तार का घेरा १ गज़ है। नदी के दोनों ओर के टावर (स्तम्भ) ६३५ फुट ऊँचे हैं। यह स्तम्भ बड़े पक्के चबूतरों पर बने हैं। ताप के अनुसार बेलनों को फैलने तथा सिकुड़ने की सुविधा दी जाती है। यह पुल नदी से २५३ फुट की ऊँचाई पर लटकता है।

पुल के दोनों सिरों के स्तम्भों के मध्य को दूरी ३५०० फुट($\frac{3}{5}$ मील से कुछ अधिक) है। पुल पर सड़क मार्ग १२० फुट चौड़ा है। सड़क की लम्बाई ८७०० फुट है। पैदल मोटर तथा दूसरी गाड़ियों के सरलता पूर्वक चलने के लिये सड़क आठ भागों में विभाजित की गई है।

इस पुल के तयार हो जाने से नगर की गुंजान सड़कों की भीड़ में कमी हो गई है। न्यूजर्सी के निवासी मनहाटन में काम करके अपने घरों को इस पुल द्वारा लौट जाते हैं। सप्ताह के अन्तिम दिन और छुट्टी के दिन हज़ारों काम करने वाले इस पुल द्वारा उत्तर-दक्षिण पूर्व और पश्चिम की ओर जाते हैं।

गोल्डेन गेट पुल का स्पैन ४२०० फुट है और सैन फ्रांसिस्को पुल का स्पैन ४८७० फुट है और पुल की लम्बाई ३३१० फुट है। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र में दूसरा बड़ा लटकता हुआ पुल डैट्रोइट का १८५० फुट लम्बा है।

गगन स्पर्शी न्यूयार्क नगर

एक अजनबी के लिये न्यूयार्क नगर की गगन स्पर्शी सड़कों का दृष्य एक अद्भुत बात है। न्यूयार्क नगर एक लम्बे संकरे द्वीप पर स्थित है इसलिये यह नगर आकाश की ओर हो फैल सका है। यह नगर मनुष्य के बनाये हुये ग्रैण्ड-कनयोन की भांति है। यहां मनहाटन की ठोस चट्टान पर संसार के सबसे ऊँचे भवन स्थित हैं।

वेटरी पार्क से उत्तर की ओर मीलों यह अद्भुत भवन आकाश को छूने का प्रयत्न करते दिखाई पड़ते हैं। मनहाटन का ६० वाल स्ट्रीट टावर ९६० फुट ऊँचा है और उसमें ६५ कोठे हैं। ऊलवर्थ भवन ७९२ फुट ऊँचा है और उसमें ६० स्टोरीज़ (कोठे) हैं। इम्पायर

स्टेट भवन की ऊँचाई १२४८ फुट है। उसमें १०२ तल्ले बने हैं। चौस्लेर भवन १०४६ फुट ऊँचा है। वह भवन ७७ तल्ले का है। अमरीका का रेडियो कारपोरेशन आर० सी० ए० भवन ८५० फुट ऊँचा है और उसमें ७० कोठे हैं। न्यूयार्क में कम से कम ३६ मकान ऐसे हैं जिनकी उँचाई कम से कम ५०० फुट है। उनमें से १७ की उँचाई ६०० फुट से अधिक है।

न्यूयार्क के अतिरिक्त अमरीका के दूसरे नगरों में १६ भवनों की उँचाई ५०० फुट से अधिक है जिनमें केवल दो मकान ऐसे हैं जिनकी उंचाई ६०० फुट से अधिक है। क्लीवलैण्ड का टर्मिल टावर ७०८ फुट ऊंचा है। शिकागो के ट्रेड बोर्ड के भवन की उंचाई ६१२ फुट है।

न्यूयार्क बन्दरगाह की नावों और स्टीमरों, हडसन नदी और दूसरी पूर्वी नदियों से न्यूयार्क के ऊंचे भवनों के दृश्य का अवलोकन बड़ा ही सुन्दर होता है। जब इन ऊंचे भवनों के सामने बड़े बड़े लाइनर जहाज़ आकर अपने घाटों पर खड़े हो जाते हैं तो उनका दृश्य बड़ा ही सुहावना मालूम होता है। मनहाटन के पूर्वी भाग

का दृश्य लटकते हुये पुलों के कारण और भी अधिक सुन्दर हो जाता है। इनमें सबसे अधिक प्रसिद्ध पुल ब्रुक्लीन है जो मकड़े के जाले की भांति अपने टावरों से लटक रहा है।

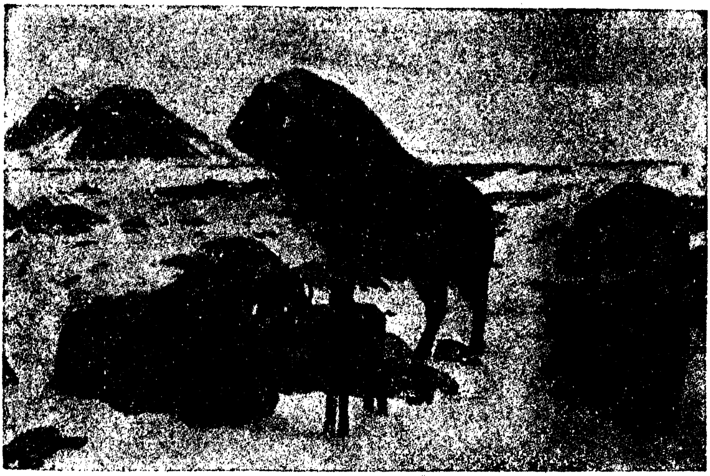
सूर्योदय या सूर्यास्त के समय जब ऊंचे भवनों के ऊपर धुंधला धुवाँ आकाश की ओर उठता रहता है तो दूर से देखने में नगर का दृश्य ऐसा प्रतीत होता है जैसे कि हम स्वप्न में किसी अनोखी छटा का अवलोकन कर रहे हों। रात के समय लाल, पीली, हरी, नीली, सफेद आदि लाखों बिजली की बत्तियों के प्रकाश से नगर जगमगा उठता है। उस समय आकाश अथवा नदी से न्यूयार्क नगर का दृश्य बड़ा बिचित्र और अनोखा हो जाता है। उस समय यही प्रतीत होता है कि नगर का निर्माण मानव जाति ने नहीं किया वरन् शायद यह कोई प्राकृतिक प्रकाशवत जटा है जो हम स्वप्न में देख रहे हैं।

देश दर्शन

एम्पायर स्टेट भवन

यह संसार का सर्वोच्च ऊँचा भवन है। संसार के सरकारी उत्तमोत्तम तथा सुन्दर भवनों में इसकी गणना होती है। यह भवन तैंतीसवीं और चौंतीसवीं स्ट्रीट (सड़क) से मध्य पश्चिम अवेन्यू पर स्थित है। इस भवन में १०२ तल्ले (कोठे) हैं। इसकी समस्त ऊँचाई १२४८ फुट है। यह भवन क्रीस्लेर भवन (संसार का दूसरा ऊँचा भवन) से १०२ फुट अधिक ऊँचा है। ईफेल टावर से इसकी ऊँचाई २६४ फुट अधिक है।

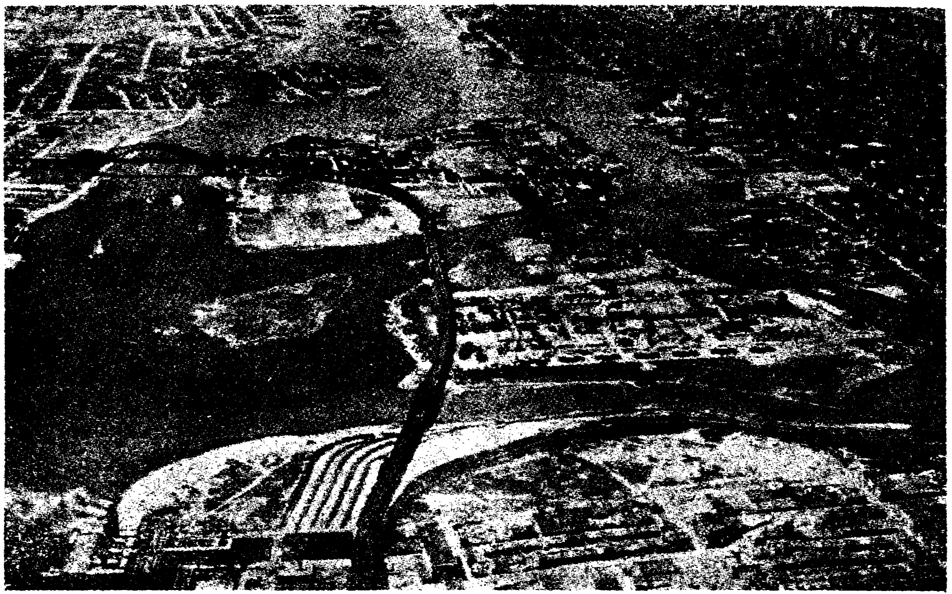
इस विशाल भवन को बनाने के लिये पहली अक्तूबर सन् १९२९ ई० को वाल्डोर्फ-आस्टोरिया होटल के भवन को गिराना आरम्भ किया गया। पहली मई सन् १९३१ ई० को यह भवन बन कर तयार हो गया। होटल को नष्ट करने के कार्यारम्भ के केवल १९ मास पश्चात् ही यह अपूर्व विशाल भवन बन कर तयार हो गया। इस भवन का स्पात का ढांचा पहले बना। एक एक दिन में पाँच तल्लों के ढाँचे तयार किये गये। जहाँ कहीं जिस समय जिस गार्डर के लगाने की



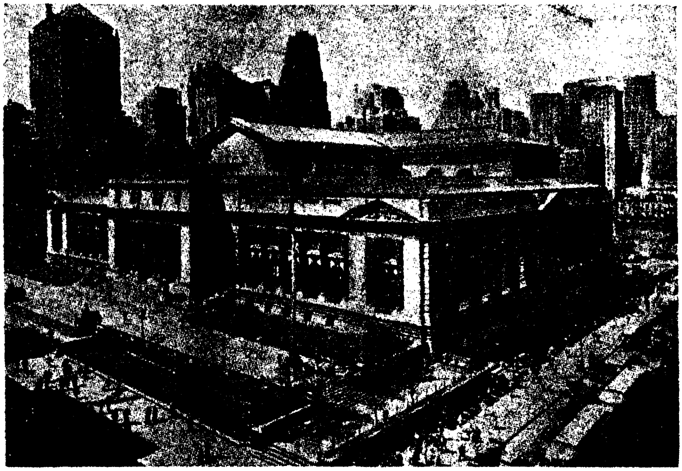
अजायबघर के मुश्की बैल।



ध्रुव प्रदेश के सफेद भालू (अजायबघर में)।



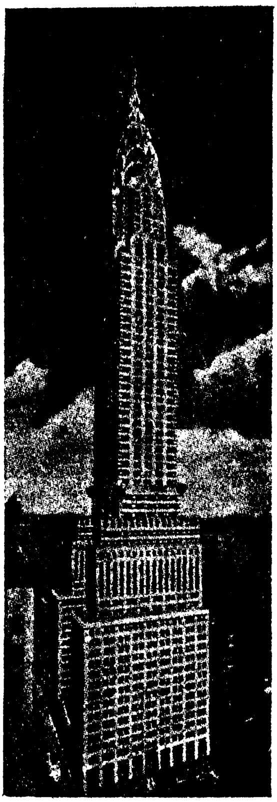
न्यू यार्क नगर का एक दृश्य ।



न्यूयार्क का बड़ा पुस्तकालय जिसमें ३० लाख पुस्तकें हैं ।



न्यूयार्क की सड़क पर मोटरों की भीड़, इस भीड़ को कम करने के लिये हडसन नदी के नीचे होकर दो सुरंगें बनाई गई हैं ।



क्रीस्लेर भवन जो १२४६ फुट ऊँचा है।



रेड इण्डियन

आवश्यकता हुई वह लगाया गया। यह गार्डर लगाने के ८० घंटे पूर्व पिट्सबर्ग के फौलादी कारखाने में तयार किये जाते थे।

इस विशाल भवन का बाहरी भाग भूरे रंग का है और ग्रेनाइट तथा इंडियाना चूने पत्थर का बना है। ८६ तल्ले तक यह भवन क्रोमे निकेल स्पात के काम से सजाया गया है। इस सजावट में इस धातु का २०४४० मन पिसा हुआ रंग लगाया गया था। इस भवन का एक स्तम्भ २०० फुट ऊँचा है। वह वायुयानों के उतरने के लिये बनाया गया है। शीशे और आल्मोनियम से इस टावर का स्तर किया गया है।

एम्पायर स्टेट भवन में २१ लाख २८ हज़ार वर्ग फुट फर्श है जिसमें २५ हज़ार किरायेदार रह सकते हैं। इस भवन के एलिवेटर (ऊपर जाने का यन्त्र) संसार में सर्वोत्तम है। ६३ व्यक्तियों को उठाने वाला एलिवेटर १२०० फुट प्रति मिनट के हिसाब से चलता है। एक्सप्रेस एलिवेटर द्वारा ५० सिकंड में लोग ८० तल्ले के ऊपर पहुँच जाते हैं।

आवश्यकता पड़ने पर इस विशाल भवन में ८० हज़ार व्यक्तियों को स्थान दिया जा सकता है। इसके बनाने में १ करोड़ ईंटें लगी थीं। इसकी वायु स्वच्छ रखने के लिये इसमें ६५०० खिड़कियाँ लगाई गई हैं। न्यूयार्क से सरातोगा झरनों तक दोहरी रेलवे लाइन के बनाने में काफी फौलाद लगाया गया है। भवन में ७ मील लम्बे एलिवेटर के बम लगाये गये हैं। टेलीग्राम और टेलीफोन के तारों की लम्बाई १ करोड़ ७० लाख फुट है।

यथार्थ रूप में जब हम सर्व प्रथम इस संसार के सबसे बड़े तथा ऊँचे भवन को देखते हैं तो हमारे आश्चर्य की सीमा नहीं रह जाती है।



राक फेलेर सेंटर

राक फेलेर सेंटर न्यूयार्क नगर में एक नगर की भाँति ही स्थित है। इस मुहल्ले में १० भवन हैं। यह स्थान न्यूयार्क के मध्यवर्ती सड़क के पांचवें और छठवें अवेन्यू के मध्य स्थित है। इस स्थान के दसों भवन बड़े विशाल हैं। उन भवनों में सबसे बड़ा भवन आर० सी० ए० है जो ८५० फुट ऊँचा तथा ६० कोठे का है इस भवन में संसार के बड़े से बड़े भवन के बराबर स्थान है। इस भवन के ऊपरी भाग से ५० मील दूरी तक की भूमि दिखाई पड़ती है।

इस विशाल भवन के १० कोठों में नैशनल ब्राडकास्टिंग कम्पनी है यहीं से सर्व प्रसिद्ध प्रोग्राम का ब्राडकास्ट किया जाता है। आडीटोरियम स्टूडियो तीन कोठों में है और उसमें १३०० दर्शक बैठ सकते हैं। कम्पनी के यह दसों कोठे रैडियो सिटी के नाम से प्रसिद्ध हैं।

ग्यारहवें कोठे पर हार्टीकल्चर हाल है जो अपनी कृषि प्रदर्शनी तथा पुष्प प्रदर्शन के लिये प्रसिद्ध है। उसी

धरातल पर नैशंस गार्डन (राष्ट्रीय वाटिका) है जिसमें १३ टुकड़े ऐसे हैं जो इंगलैण्ड, हालैण्ड, जापान, फ्रान्स आदि दूसरे राष्ट्रों की वाटिका के सूचक हैं। इस वाटिका में ८४००० मन मिट्टी, ५० वृक्ष, ३० हज़ार बल्ब और हज़ारों की संख्या में पुष्पों के पौधे हैं।

सेंटर के उत्तरी भाग में आर० के० ओ० का ३१ कोठे का भवन है। अंतर्राष्ट्रीय भवन ४१ कोठे का, प्लाज़ो डि इटालिया ६ कोठे का, अतर्राष्ट्रीय पूर्वी भवन ६ कोठे का है। यह भवन इस प्रकार निर्माण किये गये हैं कि भवनों में अधिक से अधिक सूर्य का प्रकाश पहुँच सकता है। इसी समूह में रैडियो सिटी संगीत हाल है जो संसार का सबसे बड़ा नाटकघर है। इस नाटकघर में ६२०० व्यक्तियों के बैठने का स्थान है। इनके अतिरिक्त ला मैसन फैंकेज़ आदि ब्रिटिश इम्पाएर बिल्डिंग है। दक्षिण की ओर सेंटर बिल्डिंग है जिसमें ३६०० व्यक्ति बैठ सकते हैं। यह भवन अपनी भीतरी सुन्दरता के लिये प्रसिद्ध है।

इन भवनों के मध्य बाग तथा खुले मैदान हैं जहां की हवा शुद्ध और साफ रहती है। धूप भी काफी रहती

है। न्यूयार्क नगर में धूप तथा शुद्ध खुली हवा वाले स्थानों का मिलना कठिन हो जाता है।

मनहाटन

न्ययार्क नगर के बाज़ार वाले भागों में प्रातःकाल होते हैं, जन-समूह की भीड़ आने लग जाती है। ब्राडवे सड़क पर तो जन-समूह की नदी सी बहने लगती है और उससे मिली हुई छोटी सड़कों तथा गलियों में भी अपार भीड़ हो जाती है। दोपहर के बाद जब दिन का काम समाप्त हो जाता है तो अपार भीड़ लौटने लगती है। प्रत्येक भवन, घर, बाज़ार और दफ्तर से जन-समूह की भीड़ उबलते हुये सोते की भांति निकल कर सड़क, पुल और नदियों की ओर बढ़ती है। सभी लोग अपने निवास स्थानों की ओर लौटने के लिये उतावले रहते हैं। उस समय का दृश्य बड़ा ही सुन्दर और आकर्षित होता है।

साधारण तौर पर नगर का पश्चिमी निचला भाग पूर्वी भाग से भिन्न है। पश्चिमी भाग की सड़कें चौड़ी और घर नीचे हैं। इस भाग में निजी घरों की अधिकता

है और किराये पर मकान लेकर रहने वालों की कमी है। इस भाग की जनता अधिकतर अमरीकन और आयरिश अमरीकन है। इस भाग में बारिक स्ट्रीट पर सेंट जान पार्क तथा गिरजाघर है। इस भाग में ट्रिनिटी चर्च की भूमि तथा घर अधिक हैं। यहीं पर न्यूयार्क का सेंट्रल रेलवे स्टेशन है। रेलवे स्टेशन के कारण इस भाग में दिन प्रति दिन परिवर्तन होता रहता है। हडसन स्ट्रीट पर अब हडसन पार्क बना है।

हडसन पार्क से थोड़ी दूर पर मिनेटा सड़क तथा गली है जहां गरीब नेग्रो तथा गरीब सफेद लोगों के घर हैं। इस भाग में इटैलियन लोगों की अधिकता है समीप ही ब्लीकेर सड़क पर एक इटैलियन गिरजाघर है जिसका नाम मडोना डि पाम्पी है।

ब्राडवे सड़क मनहाटन के किसी भी भाग से समीप पड़ती है जहां कहीं से भी हम उस पर पहुँचना चाहते हैं हम शीघ्र ही थोड़ी यात्रा करके उस पर पहुँच जाते हैं। ब्राडवे सड़क पर सेंट पैट्रिक का गिरजा घर है इस गिरजा घर के चारों ओर इटैलियन लोगों की घनी बस्ती है। चर्च के भीतर आँगन में कुछ कब्रें हैं। आगे

कुछ दूर चलने पर क्रान्ति काल का युद्ध क्षेत्र मिलता है जो इस काल की याद दिलाता हैं।

न्यूयार्क के गिरजा घरों के कारण नगर की सुन्दरता और अधिक बढ़ जाती है। ब्राडवे और टेंथ सड़क ग्रेरू चर्च स्थित है। यह सफेद पत्थर का बना है। इसमें सुन्दर स्तम्भ तथा गुम्बद है।। इस गिरजाघर के चारों ओर सुन्दर बाटिकायें हैं। यह बाडवे सड़क के घने तथा सबसे भीड़ वाले भाग में स्थित है। इस गिरजाघर का दृश्य न्यूयार्क के सभी गिरजाघरों से अधिक सुन्दर है।

बोवरी न्यूयार्क नगर की एक प्रसिद्ध सड़क है। यह सड़क बहुत चौड़ी है। इसके दोनों ओर ऊँचे घरों की लम्बी पक्तियाँ हैं। इस सड़क पर बड़ी बड़ी दुकानें, सैलून, भोजनालय, होटल, रेस्टोरेंट और ठहरने के लिये बड़े बड़े सस्ते घर हैं। इस सड़क पर कई एक बैंक हैं। देखने में यहां के निवासी बड़े सभ्य प्रतीत होते हैं। लगभग १०० वर्ष पूर्व यह सड़क बड़ी बदनाम थी और यहां पर बदमाशों का अड्डा था। सूसाइड हाल, निगेर मिके, विकेट आफ ब्लड, स्लोपी मैग अन्स्की और

टिंकी-टिन गुश्मान आदि स्थान अपनी बदमाशियों के लिये प्रसिद्ध हैं।

मल्बरी बेंड के समीप ही सेंट्रल स्ट्रीट पर न्यूयार्क की फौजदारी की कचहरियां तथा समाधियाँ और मक़बरे हैं। यहीं पर जेल है। जेल को कचहरी को मिलाता हुआ एक पुल बना है जिस व्यक्ति को सज़ा होती है। वह इसी पुल के ऊपर होकर जेल में आता है।

२५ नवम्बर १८८३ ई० को बावरी सड़क होकर ही जनरल नाक्स अंग्रेज़ों के चले जाने के पश्चात न्यूयार्क नगर पर अपनी सेना के साथ अधिकार प्राप्त करने के लिये गया। बावरी के ऊपरी सिरे पर बाइबिल हाउस (घर) है। इस घर में प्रतिवर्ष ७० लाख बाइबिल की पुस्तकें छपाई जाती हैं। दक्षिणी सिरे पर चैथम स्क्वायर है। चैथम स्क्वायर का नाम न्यू बावरी रक्खा गया है। यह स्थान यहूदी लोगों का सबसे आरम्भ कालीन कब्रस्तान है।

समीप ही कैनाल सड़क पर मनहाटन पुल है। मनहाटन पुल पर छोटी मोटर द्वारा भ्रमण करने में बड़ा आनन्द आता है क्योंकि पुल की उँचाई समीपवर्ती घरों

से अधिक है। मनहाटन पुल के समीप ही विलियम्स बर्ग तथा ब्रुक्लीन पुल हैं।

बावरी सड़क पर यदि हम टहलें तो हमें वहाँ के निवासियों के शानदार और सुखी जीवन देख कर बड़ी प्रसन्नता होती है। वहाँ मनुष्यों, स्त्रियों और बालक तथा बालिकाओं की भीड़ की भीड़ आती जाती दिखाई पड़ती है। मोटरों की ध्वनि से सड़क गूज उठती है। विकट भीड़ होने पर भी सभी लोग बड़े शान्त रहते हैं। और नियमानुसार अपने मार्गों पर चलते तथा अपना काम करते हैं। वहाँ पर शायद ही कोई बेहोश अथवा शराबी नशे में चूर आंखों के सामने आयेगा। सड़क पर जो पुलिस के आदमी अपनी ड्यूटी पर रहते हैं वह प्रत्येक समय सड़क पर चलने वालों को सहायता करने तथा उनका उत्तर देने के लिये प्रस्तुत रहते हैं। यदि कोई वृद्ध मोटर से कांपता हुआ नीचे उतरता है तो शीघ्र ही पुलिस का आदमी उसके समीप उसे सहायता करने के लिये पहुंच जाता है।

बावरी के सिरे पर काबवेब सेंटर पर कूपर यनियन का दफ़्तर है। इस संस्था की नींव पिटर कूपर ने डाली

थी। इस संस्था ने प्रजा के लिये अच्छे अच्छे कार्य किये हैं। कूपर यूनियन में एक बड़त बड़ा रीडिंग-रूम (वाचनालय) है जिसमें हज़ारों नगरों से हज़ारों पत्र पत्रिकाएं आती है और लाखों की संख्या में भिन्न भिन्न राष्ट्र तथा जाति के लोग पत्र तथा पुस्तकों के पढ़ने के लिये एकत्रित होते हैं। कूपर यूनियन भवन के निचले भाग में सभा करने के लिये एक बड़ा कमरा है। इसी कमरे में बड़ी बड़ी योग्यता के भिन्न भिन्न मत के लोग एक दूसरे से मिलते हैं और अपने अपने विचार प्रकट करते हैं। सुनने वाले तथा दर्शक लोग भी आते हैं। इसी कमरे में तय करने के पश्चात् कितने ही आन्दोलन अमरीका में चलाये गये। प्रेसीडेन्ट निर्वाचित होने के पहले इसी भवन में इब्राहीम लिंकन ने अपने विचार सर्व प्रथम प्रकट किये थे।

बावरी के उत्तरी सिरे से दो तीन मिनट पैदल चलने के पश्चात ही सेंट मार्क का गिरजाघर मिलता है यह चर्च १७६६ ई० में बना था। कुछ लोगों का विश्वास है कि इस स्थान पर भूत वास करते हैं। यह चर्च हालैण्ड निवासियों का बनवाया हुआ है। गिरजाघर

से मिली हुई स्टवीवेसेंट की कांस की मूर्ति है। स्टवीवेसेंट डच गवर्नर था जिसे न्यूयार्क नगर को अंग्रेज़ों के हाथ सौंपना पड़ा था। गिरजाघर के भीतर स्टवीवेसेंट, स्लाटर और टाम्किन्स गवरनरों की समाधियाँ हैं।

न्यूयार्क नगर में संसार भर में सबसे अधिक भिन्न भिन्न राष्ट्र के लोग निवास करते हैं। यहाँ किसी भाग में तो मीलों घनी बस्ती है और कहीं कहीं पर बिलकुल उजाड़ है। यहाँ का कोई निवासी तो इतना बड़ा रोज़गारी है कि उसे भोजन करने की भी छुट्टी नहीं मिलती और कोई कोई व्यक्ति ऐसे हैं जो सिनेमा तथा नाटक देखने के सिवा और कुछ काम नहीं करते हैं।

न्यूयार्क के स्टोर (सामान मिलने की दूकान) संसार के सबसे बड़े स्टोर हैं जिनके मकानों के मूल्य, नौकरों की संख्या और सामान का मूल्य बहुत अधिक है। साथ ही साथ कुछ भागों में बहुत छोटी दूकानें हैं जहाँ केवल एक ही व्यक्ति दूकान का समस्त कार्य कर लेता है।

दिन में ब्राडवे, वाल स्ट्रीट और थोक के माल का क्रय-विक्रय होने वाला नगर का भाग बहुत ही गुञ्जान

रहता है परन्तु रात के समय थोक का माल बेचने वाला नगर का भाग बिलकुल शून्य हो जाता है और वहाँ पुलीस के एक्के दुक्के आदमी के अतिरिक्त और कोई नहीं दिखाई पड़ता है। उस समय वहाँ नगर भाँय भाँय करता है और बड़ा भय मालूम होता है। बड़े ऊँचे विशाल भवनों के बगल में साधारण एक दो कोठे वाले घर भी न्यूयार्क में हैं। कोई कोई घर तो प्रायः खाली पड़े हैं।

न्यूयार्क नगर में अधिक से अधिक व्यय करने वाले तथा कम से कम खर्च वाले कंजूस तथा गरीब भी पाये जाते हैं। किसी दूकान पर कोई अमरीकन महिला लाखों रुपये के वस्त्र खरीदती दिखाई पड़ती है तो किसी छोटी दूकान पर कोई गरीब बालक केवल १ पेंस की रोटी मांगता दिखाई पड़ता है।

न्यूयार्क निवासी व्यय करने में एक दूसरे के साथ बाजी सी लगा लेते हैं। गत महायुद्ध के समय न्यूयार्क नगर में प्रति संध्या के समय केवल बड़े भोजनालयों में भोजन में लगभग ५० लाख रुपया खर्च किया जाता था। उसी समय कितने ही व्यक्ति ऐसे भी देखे गये जो

न्यूयार्क

कठिनाई के साथ अपनी रोटी चला सकते थे और बिना घर के थे जो पार्कों में जाकर सो जाते थे और पुलिस का आदमी उन्हें रात को जाकर ठोकरें मार कर जगाता था। एक ओर धनी लोग अपने धन का गर्व के साथ वर्णन करते हैं तो दूसरी ओर ऐसे भी दुखी तथा निर्धन हैं जिन्हें शीतकाल की रात में वस्तु, वस्त्र तथा चारपाई भी नहीं मिलती है।

गत दो सौ वर्षों के बीच में न्यूयार्क नगर में कितने ही विद्रोह हुये हैं। कभी कभी वहाँ हत्या, चोरी ऐसी होती हैं कि पुलिस चकरा जाती है।

देश दर्शन

विदेशियों का नगर

न्यूयार्क को यदि हम अमरीकन नगर न कह कर विदेशियों का नगर कहें तो अनुचित न होगा क्योंकि यहां आयरिश, यूनानी, इटेलियन, रूसी, फ्रांसीसी, स्विस और दूसरी योरुपीय जातियों की बड़ी बड़ी बस्तियां हैं। न्यूयार्क के अमरीकन निवासी अपने को न्यूयार्क के निवासी कहते हैं। विदेशी बस्तियों के कारण न्यूयार्क पर विदेशी प्रभाव पड़ा है। फिर भी विदेशी प्रभाव का रंग अधिक गहरा नहीं है।

यदि हम फिफ्थ अवेन्यू के ६७ सड़क से घूम कर पूर्व की ओर जावें तो हमें प्रतीत होगा कि हम मास्को पहुंच गये हैं क्योंकि इस भाग के घर आदि रूसी नमूने के बने हैं जिनमें लाखों रूसी लोग रहते हैं। रूसी भाग के घर, चर्च, दूकानें, पहनाव आदि सभी रूसी प्रतीत होते हैं। रूसी बस्ती में अधिकांश रूसी यहूदी लोग हैं। रूसी चर्चों के गिरजाघरों में साधारण जनता के लिये प्रार्थना वाले स्थानों पर बेंच अथवा कुर्सियाँ नहीं हैं। वह सभी लोग हाल के फर्श पर बैठते हैं।

अब यदि हमें रूसी रंग-ढंग देखने के पश्चात् फ्रांसीसी वस्तुओं का दर्शन करना है तो हमको ब्रुक्लीन में लौर्डेस की स्त्री के गिरजाघर जाना पड़ता है। इस गिरजाघर में फ्रांसीसी महिला लौर्डेस की समाधि है। इस समाधि पर जाने से बीमार मनुष्य स्वस्थ हो जाता है। इस भाग में फ्रांसीसी बस्ती है और फ्रांसीसी रीति-रिवाज की चलन है।

बयार्ड स्ट्रीट और चैथम स्क्वायर के बीच में मोट स्ट्रीट पर एशिया के सीरियन तथा चीनी लोग निवास करते हैं। इन लोगों का मुहल्ला त्रिभुजाकार है। चीनी मुहल्ले का प्रबन्ध १२ मनुष्यों की एक सभा तथा मयोर करता है। चीनी मुहल्ले में कभी कभी हत्या, चोरी और डाका भी पड़ जाता है। इस भाग में लोग अफीम अधिक पीते तथा जुवा खेलते हैं। इस भाग में पुलिस बहुधा कम रहती है। चीनी लोगों के गिरजाघर, होटल दूकानें आदि सभी अलग हैं। चीनी लोग व्यापार के काम में लगे हैं। वह अपना सारा कार्य अपनी रीत-रिवाज के अनुसार करते हैं।

चैथम स्क्वायर से उत्तर की ओर जाने वाली कुछ

गलियों, वाशिंगटन स्क्वायर के दक्षिण, वावरी स्ट्रीट के पश्चिम प्रिंस स्ट्रीट पर और पूर्व की ओर हार्लेम पर इटैलियन लोगों की बस्तियाँ हैं। इटैलियन लोगों का रहन-सहन, भेष और रीति-रिवाज सब कुछ अलग है। जिस प्रकार वे लोग नेपुल्स में रहते हैं। ठीक उसी प्रकार वह न्यूयार्क में भी निवास करते हैं। इटैलियन लोग अपनी भाषा का ही अध्ययन करते हैं। न्यूयार्क के निवासी इटैलियन लोगों की सभ्यता को पसंद करते हैं। अमरीकन लोगों की भांति वे भी फल, साग-पात आदि को अधिक पसंद करते हैं। इटेलियन लोग सेंट के दिन को बड़े समारोह के साथ मनाते हैं।

इसी प्रकार यूनानी लोगों की बस्ती भी अलग है। यूनानी लोग यूनानी ढंग से ही अपने जीवन व्यतीत करते हैं। नार्वे और स्वीडन के निवासियों के सैकड़ों बच्चे जो न्यूयार्क में रहते हैं वह अब भी शीतकाल में अपने वस्त्र बहुत कम बदलते हैं। अंग्रेज़, आयरिश और दूसरे पश्चिमी तथा मध्य योरुपीय निवासी समस्त न्यूयार्क नगर के भिन्न भिन्न भागों में फैले हुये हैं।

प्रसिद्ध गिरजा घर और सड़क

न्यूयार्क नगर में सबसे प्रसिद्ध स्ट्रीट अथवा सड़क वाल स्ट्रीट है। वाल स्ट्रीट पर संसार का सबसे अधिक प्रसिद्ध गिरजा घर ट्रिनिटी चर्च है। वाल स्ट्रीट पर मकान नम्बर २६ है जो स्टैण्डर्ड आएल कम्पनी का प्रधान केन्द्र है और संसार भर में प्रसिद्ध है।

प्रथम ट्रिनिटी गिरजा घर आरेंज के विलियम के शासन-काल में बनाया गया था। वह १७७६ ई० के भीषण अग्निकांड में जल गया। १७६० ई० में ट्रिनिटी गिरजा घर फिर बनाया गया परन्तु अग्नि लग जाने से फिर जल गया। उसके पश्चात् यह आधुनिक गिरजा घर बनाया गया। वर्तमान ट्रिनिटी गिरजा घर १८४६ ई० में बन कर तयार हुआ। इसका बनाने वाला कारीगर रिचर्ट अपजान था जिसने नगर के और बहुत से गिरजा घर बनाये हैं। इस गिरजा घर में पीतल के दरवाजे हैं।

ट्रिनिटी गिरजाघर का भीतरी भाग बड़ा सुन्दर बना है। भीतर की ओर स्थान काफी लम्बा चौड़ा है।

चर्च के बाहर एक लम्बा चौड़ा मैदान है जहां प्रसिद्ध व्यक्तियों की स्मृतियां हैं।

महारानी ऐन के समय में ट्रिनिटी गिरजा घर को राजकीय सहायता में निचले मनहाटन में भूमि मिली थी यद्यपि इस भूमि के कई भाग दूसरी संस्थाओं को ट्रिनिटी गिरजा घर ने दे दिये हैं फिर भी न्यूयार्क नगर में सबसे अधिक मकान ट्रिनिटी चर्च के पास हैं और उनसे प्रति वर्ष ५० लाख डालर या लगभग एक करोड़ ७५ लाख रुपये की आय होती है जिसका व्यय ट्रिनिटी चर्च के हाथ में है। इस धन को गिरजा-घर भिन्न भिन्न शुभ कार्यों में व्यय करता है। ट्रिनिटी गिरजा घर के मैदान में अलिक्जंडर हैमिल्टन, लार्डस्टर्लिंग, जनरल केआर्ने, सर डानवर्स ओस्बोर्ने चारलोटे टेम्पुल आदि लोगों की कब्रें हैं। स्मृति स्थान के ऊपरी कोण पर ब्राडवे सड़क के समीप अमरीकन क्रान्ति में भाग लेने वाले व्यक्तियों की स्मृतियां हैं। यह लोग न्यूयार्क के ब्रिटिश कारागार में मरे थे। अब ट्रिनिटी भूमि में लाशों को गाड़ने की मनाही कर दी गई है केवल बहुत ही बड़े

लोग ट्रिनिटी भूमि में गाड़े जाते हैं उन्हीं की कब्र बनने की आज्ञा प्रदान की जाती है।

वाल स्ट्रीट अमरीका ही नहीं वरन् समस्त संसार के धन का केन्द्र है। यहीं से योरुप, एशिया, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया और अमरीका के कोषों का संचालन होता है। यहीं पर संसार के प्रधान व्यापारों का केन्द्र है।

इस सड़क पर बड़े बड़े प्रभावशाली मनुष्य धनी लोग रहते हैं। इसी पर संयुक्त राष्ट्र अमरीका के सरकारी भवन बने हैं। इसी सड़क पर फेडरल हाल (संयुक्त राष्ट्रीय भवन) है। इसी हाल के सामने संयुक्त राष्ट्र अमरीका के प्रथम सभापति ने अपने पद की शपथ उठाई थी। जिस भूरे पत्थर पर खड़े होकर वाशिंगटन ने शपथ उठाई थी वह अब भी रक्खा है। स्मशान भूमि में वाशिंगटन की मूर्ति है।

वाल स्ट्रीट का एक प्रधान अंग ब्राड स्ट्रीट है यहाँ पर कर्ब मार्केट (बाज़ार) स्टाक एक्सचेञ्ज स्थान है जहां पर संसार के व्यापार का परिवर्तन होता है। ब्राड

और पर्ल सड़कों पर अब भी प्राचीन भवन बने हैं जो मुख्यतः लकड़ी के बने हैं। प्राचीन भवनों में फ्रांसेसटैवर्न है जो १७१९ ई० में बन कर तयार हुआ। इस भवन में क्रान्ति काल की स्मृतियां हैं जो अब भी उस समय की याद दिला रहे हैं।

इसी भवन के दूसरे कोठे पर एक लम्बा कमरा है जिसमें ४ दिसम्बर १७८३ ई० को वाशिंगटन ने अमरीकन क्रान्ति के पश्चात् अपने मित्रों से विदा ली थी और नाक्स, वेने, ग्रीन, स्यूबेन, मोल्ट्री, लिंकन और हैमिल्टन आदि मित्रों के साथ चाय पानी किया था।

सिटी हाल पार्क

सेंट पाल का गिरजाघर ब्राडवे सड़क पर है। सेंट पाल के सामने वाली दीवार के केन्द्रीय भाग में जनरल रिचर्ड मोंटगोमेरी की समाधि है। सेंट पाल का भवन १७६६ ई० में बना। इसकी दीवारें धूल, धुएँ आदि के कारण काली पड़ गई हैं। सेंटपाल में हेसियनबैरोन नार्डेक, सियोरडे रोचे फ्रांटेन आदि महाशयों की समा-

थियां हैं। वेसे स्ट्रीट पर पार्क रो का अंत हो जाता है और वह दाहिनी ओर घूम जाती है। पार्क रो के घुमाव वाले स्थान पर ही सिटी हाल पार्क तथा आधुनिक सिटी हाल है। अब इसी स्थान पर डाकखाना बना दिया गया है। डाकखाना ऊपरी भाग के सामने ऊलवर्थ का प्रसिद्ध भवन है जो ७५० फुट ऊँचा है। इस भवन में ५१ कोठे हैं।

सिटी हाल भवन स्वेत रंग की है परन्तु समय के संकटों का सामना करने के कारण इसका रंग मटमैला हो गया है। सिटी हाल भवन दो कोठे का है। इस पर एक घंटाघर है जो बड़ा ही सुन्दर है। सिटी हाल के चारों ओर बड़े ऊँचे भवन बने हैं परन्तु अपनी प्राचीनता तथा भव्यता के कारण सिटी हाल का भवन प्रसिद्ध है। सिटी हाल के आगे वाले भाग में आवश्यकता से अधिक खिड़कियां हैं जिससे प्रकाश तथा हवा भवन में अच्छी तरह प्रवेश करते हैं। हाल के ऊपरी भाग में जाने के लिये चौड़ी सिढ़ियों का मार्ग है। हाल के दोनों ओर टहलने के लिये बरामदे बने हैं। सीढ़ी का मार्ग जो ऊपर जाता है उसमें दो सीढ़ियां हैं। सीढ़ियों के सिरे

पर गोले स्तम्भ हैं जो बड़े सुन्दर प्रतीत होते हैं। इस भवन में तीन कमरे एक दूसरे से मिले हुये बने हैं जो गवरनर के कमरे के नाम से प्रसिद्ध हैं। इस कमरे की छत, कार्निस और अग्नि के स्थान बड़े सुन्दर बने हैं। कमरे में बड़े बड़े लोगों की तस्वीरें दीवार पर लगी हैं। कमरे की आल्मारियां मेज़ और कुर्सियां आदि प्राचीन हैं परन्तु बड़ी सुन्दर हैं कमरे के भिन्न भाग तथा वस्तुएँ भिन्न २ रंगों मे रंगी हैं। हाल के सभी सामान महोगनी लकड़ी के बने हैं। कमरे का फर्श लकड़ी का बना है। सिटी हाल में वाशिंगटन, सेवर्ड इन्मान, वान बरन, अलिक्जंडर हैमिल्टन डेविट क्लिंटन हडसन, ओलिवर हज़ार्ड पेरी और जान मैकाम्ब आदि की बड़ी बड़ी चित्रकारियां हैं जो विभिन्न रंगों से तयार की गई हैं।

सिटी हाल के सामने मैकमोनज़ हेल की कांसे की मूर्ति है। यह मूर्ति न्यूयार्क की कला का एक अद्भुत उदाहरण है। सिटी हाल के समीप ही लीस्लेर वाटिका है। जब विलियम और मैरी इँगलैण्ड के सिंहासन पर जेम्स द्वितीय के पश्चात् बैठे तो १६६९ ई० में जैकब

लिस्लेर न्यूयार्क का गवर्नर चुना गया। लीस्लेर ने अपने समय में संयुक्त राष्ट्र अमरीका के उपनिवेशों की कांग्रेस की प्रथम बैठक कराई थी। जिसमें न्यूयार्क, मसाचुसेटस कनेक्टीकट, प्लाईमाउथ, न्यूजर्सी और मैरीलैंड के प्रतिनिधि आये थे कांग्रेस ने कनैडा पर आक्रमण करने के लिये ८५० मनुष्यों की एक सेना तयार करने का मत प्रगट किया था। जब स्लाटर नामक गवरनर आया तो उसने लीस्लेर और उसके दामाद को फांसी दे दी। बाद को जैकब और फ्रंक फर्ट नाम से न्ययार्क की दो सड़कें प्रसिद्ध की गईं। क्योंकि जैकब ली स्लेर का प्रथम नाम था और वह फ्रंक फर्ट नगर का निवासी था।

सिटी हाल का भवन १८१२ ई० में बनकर तयार हुआ। जिस स्थान पर यह भवन बना है वहीं पर ६ जुलाई १७७६ ई० को जनरल वाशिंगटन की उपस्थिति में अमरीकन स्वतंत्रता की घोषणा पढ़ी गई थी। इसी के समीप कुछ दूरी पर चेरी हिल पर वाशिंगटन का न्यूयार्क नगर में निवास घर था। उसका निवास स्थान चेरी स्ट्रीट पर था जो अब फ्रैंक्लिन स्क्वाएर के नाम से प्रसिद्ध है। चेरी हिल पहले एक सुन्दर प्राकृतिक दृश्य

का स्थान था पर अब वहाँ सुन्दर भवन तथा बाज़ार है। सिटी हाल पार्क के समीप ही ब्रुकलीन, मनहाटन, विलियम्स बर्ग, क्वींसबोरो और हेल गेट के प्रसिद्ध पुल बने हैं। इन पुलों की कला तथा इँजीनियरिंग अद्वितीय है।

वाशिंगटन स्कायर

न्यूयार्क नगर में केवल वाशिंगटन स्कायर ही एक ऐसा स्थान है जहां पर १०० वर्ष या उससे कुछ अधिक समय पहले के घर अब भी मौजूद हैं। इस भाग में प्राचीन सुन्दरता और सुन्दर प्राचीन घर हैं जिनमें न्यूयार्क के निवासी अपने घरों में सकुटुम्ब रहते हैं और कह सकते हैं कि यह घर हमारे परिवार अथवा कुटुम्ब का है।

यह भाग बड़ा सुहावना है। अमरीकन कहानी लेखकों ने अपनी कहानियों के दृश्य तथा पात्र इसी स्थान से चुने हैं। वाशिंगटन स्कायर के उत्तर की ओर मध्यवर्ती भाग में वाशिंगटन आर्च (मेहाराब) है। स्कायर के दक्षिण की ओर जहां हरियाली है वहां आर्च

और पुराने घरों में एक गिरजाघर स्थित है। इसको जब्सन मेमोरियल कहते हैं। यह इटैलियन कला का बना है। इस गिरजाघर के ऊपर प्रकाश का एक क्रास चिन्ह बना है जो रात के समय प्रकाशित रहता है। स्कायर के एक ओर गारीबाल्डी की एक मूर्ति आधी खिंची हुई तलवार लिये खड़ी है और सूचित करती है कि यह भाग उसने सदैव के लिये इटैलियन लोगों को सुरक्षित कर दिया है। इस मूर्ति की लोग पूजा करते हैं : फ्रांसोसी लोग भी मूर्ति को श्रद्धा की दृष्टि से देखते हैं। प्रत्येक वर्ष चौथी जुलाई को इस स्थान पर इटैलियन और फ्रांसीसी लोगों की एक बड़ो सभा होती है जिसमें स्वतंत्रता की घोषणा पढ़ी जाती है और किसी इटैलियन द्वारा जोशीला भाषण होता है।

स्क्वायर के दक्षिण गिरजाघर के समीप दिन में बच्चों के पालने का स्थान नीचे के भाग में है। इस भाग में लोहे की खिड़कियाँ हैं। जैसे ही संध्या होने लगती है बच्चे खिड़कियों पर चढ़ कर अपनी माताओं का मार्ग देखने लगते हैं। उस समय का दृश्य बड़ा ही

मार्मिक होता है। वसंत ऋतु में यहाँ भांति भांति के पक्षी आते हैं और हरे वृक्षों पर कुछ दिनों तक निवास करते तथा ईश्वर का गुण गाते हैं।

वाशिंगटन स्क्वायर हरे वृक्ष पौधे और लताएँ इस प्रकार उगती तथा बढ़ती हैं कि वह भूमि की पुरानी कहानी की सुध दिलाती हैं। इस भूमि में लगभग १ लाख मनुष्यों के मृतक शरीर गड़े हैं। वाशिंगटन स्क्वायर के पूर्व यहां पर सैनिकों के परेड करने का स्थान था उसके पश्चात् १८२० ई० तक यह नगर के कुम्हारों की भूमि थी।

सन् १८३० ई० में इसी स्थान पर फ्रांस के राजा चार्ल्स दसवें के गद्दी से उतारे जाने के सम्बन्ध में एक बड़ी सभा हुई थी। सभा का जुलूस टमानी हाल से चला था और वाशिंगटन स्क्वायर पर आकर रुका था। इस सभा का सभापतित्व मुनेरा ने किया था जो अपनी मुनेरा नीति के लिये संसार में प्रसिद्ध है। सभा में और दूसरे बड़े बड़े लोग सम्मिलित हुये थे। वाशिंगटन स्क्वायर पर पानी निकालने के लिये एक पम्प लगा था जिसके सम्बन्ध में कई कहानियाँ प्रसिद्ध हैं।

सूयार्थ-दर्शन

स्कायर के उत्तरीय भव्य घरों के पीछे एक गोलाकार स्थान है जहाँ खुली हवा और धूप प्राप्त होती है। इन घरों की खिड़कियों से वाशिंगटन म्यूज़, फिफ्थ अवेन्यू का पूर्वी भाग और मैक्डोगल अले आदि का दृश्य बड़ा सुन्दर प्रतीत होता है।

म्यूज़ में प्राचीन समय में घोड़े और गाड़ियां ठहरती थीं परन्तु अब यहाँ पर कारीगर, कलाकार और स्टूडियो हैं। वाशिंगटन आर्क को न्यूयार्क के निवासी बड़े आदर की दृष्टि से देखते हैं। वाल स्ट्रीट अथवा नदी के तटीय भाग की भांति इस स्थान के मकान ऊँचे और बड़े नहीं हैं फिर भी उनमें कुछ अनोखापन है। प्रत्येक घर के सामने खुले मैदान, वृक्ष आदि हैं। उनके रहने वाले भी बड़े प्रसन्न तथा खुश प्रतीत होते हैं। शायद नगर के दूसरे भाग के घरों से इस भाग के घरों का जीवन अधिक सरल तथा सुखमय होता है।

देश दर्शन

ग्रीन्विच गांव

ग्रीन्विच गांव की नींव सर पिटर वारेन के० बी० एम० पी० ब्रिटिश वाइस ऐडमिरल ने डाली थी। उसने ३०० एकड़ भूमि लेकर उस पर सर्व प्रथम अपना घर बनाया था। थेम्स नदी के किनारे वाले ग्रीन्विच के नाम पर इसका नाम भी ग्रीन्विच रक्खा गया। वारेन को स्त्री डि लैन्सी नामक अमरीकन घराने की महिला थी।

इस गांव में अब भी प्राचीन रीति रिवाज पाये जाते हैं। छुट्टियों के दिन और खासकर थैंक्सगिविंग डे को गांव के लड़के सड़क पर (६ से १२ तक) समूह में निकलते हैं और लोगों को अपनी चिल्लाहट से जगाते हैं। वृद्ध सफेद बाल वाले प्राचीन रिवाज जान कर उनका स्वागत करते हैं और उन्हें पैसे देते हैं। बच्चे पैसे पाने के ध्यान से ऐसा नहीं करते वरन् प्राचीन रिवाज को चालू रखने के ध्यान से ही वह द्वार-द्वार पर जाकर चिल्लाते हैं।

सन् १८२२ ई० में न्यूयार्क नगर में जो पीलेज्वर

की महामारी की बीमारी आई थी उसी समय इस गांव की बस्ती में बढ़ते हुये नगर के लोग गांव को स्वास्थ्यप्रद समझ कर यहां आ बसे थे। केवल नागरिक ही नहीं वरन् व्यापारी तथा और दूसरे रोज़गारी लोग भी नगर को छोड़ गाँव में आ बसे थे।

अमरीका के प्रत्येक निर्वाचन के पश्चात् होली जलाई जाती थी परन्तु जब बड़े बड़े नगर बन गये और सड़कें पक्की हो गईं तो यह रिवाज बन्द हो गया परन्तु इस गांव में अब भी यह रिवाज प्रचलित है। नगरों में जब यह रिवाज बन्द हुआ तो ग्रीन्विच में भी पुलिस ने रोकना चाहा। प्रत्येक निर्वाचन के पश्चात् होली जलाये जाने के कारण होली जलाने के स्थान नियत हो चुके थे। लड़कों और पुलीस में होली जलाने के सम्बन्ध में झगड़ा छिड़ा। बालकों ने अपने प्राचीन रिवाज के अधिकारों को मनाने के प्रश्न पर विजय प्राप्त की। अब भी इस गाँव में हमारे भारतवर्ष की भांति लड़के प्रत्येक भांति की वस्तुएँ नियत स्थान पर एकत्रित करते हैं और होली जलाते हैं

ग्रीन्विच गांव में अब भो संकरी गलियां हैं वहां युवक लेखक, कलाकार लोग जाकर निवास करते हैं

और अपनी नवीनता का परिचय देते हैं। यहां पर छोटी छोटी दुकानें हैं जिसके सामने ऐसे वाक्य लिखे रहते हैं जिन्हें पढ़ कर मनुष्य को आश्चर्य सा होने लगता है। जैसे एक दुकान पर "दि ओनली आर्ट सेन्टर इन न्यूयार्क" (न्यूयार्क का एक मात्र कला केन्द्र) का वाक्य लिखा है। इसे पढ़कर अजनबी अवश्य ही उस ओर आकर्षित होकर उसे देखने का इच्छुक हो जाता है। इसी प्रकार और दूसरी दुकानों के भी बड़े आकर्षक तथा विचित्र नाम रक्खे जाते हैं।

ग्रीन्विच में व्हाइट माइस, क्वैले हच डैनिश ओवेन या जाली बेगर्स आदि विचित्र नामों के रेस्टोरेन्ट तथा भोजनालय हैं। यह पुराने ढंग के घरों में ही स्थित हैं परन्तु इन स्थानों पर ठीक दाम में अच्छा भोजन मिल जाता है। इन स्थानों पर तम्बाकू, मदिरा आदि पेय पदार्थ भी मिलते हैं। प्रत्येक भाँति के लोग इन स्थानों पर भोजन करने के हेतु आते जाते रहते हैं इसलिये बड़ी चहल पहल रहती है। कुछ रेस्टोरेन्ट तो ऐसे हैं जहां मेज, कुर्सियां आदि सभी फटी पुरानी दशा में हैं परन्तु साथ ही साथ कुछ ऐसे भी हैं। जो पेरिस के रेस्टोरेन्टों

की बराबरी करते हैं वहां पर रुपया खर्च करने पर प्रत्येक भांति की वस्तु जिन्हें मनुष्य अपने जीवन में प्रयोग करता है सरलता पूर्वक प्राप्त हो सकती है।

जो लोग नगर के जीवन को नहीं पसंद करते वह इस गाँव में आकर रहते हैं। इसी कारण प्रत्येक भांति के लोग यहां मौजूद हैं। रेस्टोरेन्टों में लोग राजनीति विज्ञान, धर्म, समाज आदि पर विवाद करते दिखाई पड़ते हैं। युवक कवि भी अपना राग अलापता हुआ एक ओर दिखाई पड़ेगा।

नगर का निचला भाग

न्यूयार्क नगर के निचले भाग में खाड़ी के तट पर प्राचीन स्मारक बहुत हैं। जहाँ पर लैट स्ट्रीट वेस्ट से मसाचूसेट्स को अलग होती है वहीं पर २५ जुलाई १७७५ ई० को वाशिंगटन आकर उतरे थे और उस सेना का सेनापतित्व किया था जिसने बंकर हिल के युद्ध के पश्चात् बोस्टन का घेरा डाला था।

वाशिंगटन के उतरने के स्थान के समीप ही वह स्थान है जहां न्यूयार्क की ब्रिटिश सेना के सेनापति

जनरल क्लिंटन को उतारने तथा पकड़ लेने की योजना की गई थी। बेटरी के समीप बेनेडिक्ट आर्नोल्ड को उतारने की योजना बनाई गई थी। इसी स्थान के समीप रावर्ट लूई स्टेवेन्सन आकर उतरा था और बेस्ट स्ट्रीट में जाकर उसने अपने साथ किये गये बर्ताव का वर्णन दि अमाच्योर एमाग्रैंट नामक लेख में किया था।

यदि इस स्थान से नैरोज़ अथवा कोनी द्वीप की ओर हम नाव या स्टीमर पर चलें तो कुछ ही दूर चलने पर हमें स्टैच्यू आफ लिबर्टी (स्वतंत्रता की मूर्ति) के दर्शन होते हैं। यह मूर्ति एक छोटे द्वीप पर स्थित है।

स्वतंत्रता की मूर्ति वाले द्वीप के समीप ही छोटा एलिस द्वीप है। इस द्वीप पर उन लोगों की जांच होती है जो विदेश से न्यूयार्क आते हैं। नैरोज पर पहुँचने पर दाहिनी ओर स्टेटेन द्वीप है। इसके पूर्व की ओर स्नग बन्दरगाह के प्राचीन मल्लाहों के गुम्बद वाले घर हैं।

यहां निचली पहाड़ियों पर टोटेन विल्ली स्थान है जहां अब भी बिलोप का घर बना है। यह घर अमरीकन क्रान्ति से १०० वर्ष पुराना है इसके सामने दोहरा

स्तम्भाकार कोठा है। इसी स्थान पर १७७६ ई० के सितम्बर मास में जनरल होवे ने बेनजामिन फ्रैंक्लिन, जान ऐडम्स और एडवर्ड रूटलेज से भेंट की थी। यह लोग अमरीकन कांग्रेस की ओर से संतोषजनक संधि करने के लिये ब्रिटिश जनरल होवे के पास भेजे गये थे। परन्तु संधि नहीं हो सकी क्योंकि होवे उन्हें अशस्त्र होकर ब्रिटिश राजभक्त प्रजा बनाना चाहता था जिससे उन लोगों को इनकार था।

नैरोज में प्रवेश करने के पहले ही वह स्थान है जहां पर पनडुब्बी जहाजों के प्रयोग किये जाने से सौ वर्ष पहले एक अमरीकन आविष्कारक ने पनडुब्बी नावों के तयार होने की सम्भावना का परिचय दिया था। उस आविष्कारक का नाम राबर्ट फुल्टन था। फुल्टन इंगलैण्ड गया और उसने सबमेरीन (पनडुब्बी) नाव तयार की। वह अपने आविष्कार पर पूर्ण रूप से विश्वास करता था कि पनडुब्बी नाव और टार्पिडो के सहारे वह जहाज डुबो सकता है। उसने फ्रान्स और इँगलैण्ड में अपने आविष्कार का परिचय देना चाहा

परन्तु उसे किसी प्रकार की सहायता न मिली तब वह १८०७ ई० में अमरीका लौट गया और १८०७ ई० में न्यूयार्क बन्दरगाह में उसने पनडुब्बी नाव द्वारा एक पुराने जहाज को डुबाने का प्रदर्शन किया।

स्टेटेन द्वीप पर नैरोज़ के समीप ही कोंकाई के थोरीयु का घर था। उसने ही नेचर (प्रकृति) स्कूल की स्थापना की थी।

नैरोज़ में प्रवेश करने पर दो प्राचीन ढंग के किले हैं। अमरीकन युद्ध के समय इन किलों ने बहुत बड़ा हाथ बटाया है। जिस दिन अँग्रेज लोग न्यूयार्क नगर को छोड़ रहे थे उस दिन जब वे जहाजों पर बैठकर नैरोज़ में आये तो उन्होंने एक लम्बे लट्ठे पर जाते समय ब्रिटिश झंडा गाड़ दिया। यह लट्ठा ऐसे स्थान पर गाड़ा गया था कि उस पर चढ़ना असम्भव था परन्तु जैसे ही अँग्रेज लोग झंडा लगाकर आगे बढ़े वान असंडेल नामक एक अमरीकन युवक कीलों को लगाकर लट्ठे पर चढ़ गया और ब्रिटिश झंडे के स्थान पर अमरीकन झंडा लगा दिया। उस समय से आज तक एवैकुवेशन (खाली करने वाले) दिवस के दिन बैटरी

पर अमरीकन झंडा लगाया जाता है और प्रति वर्ष वान आर्सडेल के कुटुम्ब वालों को अमरीकन सरकार की ओर से इनाम मिलता है।

स्टेटेन द्वीप पर रिचमांड के समीप ही इज़ार्ड किला है जो एक तारागण के रूप का मिट्टी का बना है। अब इस पर घास तथा झाड़ियाँ उगी हैं परन्तु ब्रिटिश सेना ने न्यूयार्क की रक्षा के लिये क्रांतिकाल में इसका प्रयोग किया था।

स्टेटेन द्वीप पर इटली के देश भक्त गैरी बाल्डी का घर है। जब गैरीबाल्डी युद्ध में हारा तो वह अमरीका चला गया और स्टेटेन द्वीप में साबुन तथा मोमबत्तियां बनाकर अपना निर्वाह किया। अब भी गैरीबाल्डी का घर बना है।

नैरोज़ से निकलने के पश्चात् नाव लोअर बे (खाड़ी) में प्रवेश करती है। लोअर बे पर दाहिनी ओर स्टेटेन तट पर न्यूडोर्प स्थान है। यहां पर आरम्भ काल में मोराविया के निवासियों ने आकर अपनी बस्ती बसाई थी अब भी यहां पर मोरावियन बस्ती है। इस बस्ती का

सबसे प्राचीन गिर्जाघर (१७६३ ई० का) अब भी मौजूद है।

और आगे जाने पर कोनी द्वीप आता है। यह द्वीप लांग द्वीप के दक्षिणी तट पर है। नाव पर बैठे हुये जब हमारी दृष्टि इसकी ओर जाती है तो हरे, लाल, भूरे, सफेद और पीले दुर्ग, छतें और घर दिखाई पड़ते हैं। खाड़ी में मनुष्यों का समूह दिखाई पड़ेगा। कोनी में सदैव जन समूह की भीड़ रहती है।

कोनी द्वीप में बहुत सी वस्तुएँ देखने योग्य हैं प्रथम दृष्टि पर तो अजनबी अवश्य ही कोनी को उसकी सादगी, चिल्लाहट, भीड़ और सस्ते पन के कारण एक खराब स्थान समझेगा परन्तु उसे जैसे पता चलता है कि यह स्थान जन समूह का समुद्री खेल का मैदान है वैसे ही उसकी धारणा बदल जाती है। न्यूयार्क का प्रत्येक समुद्री कोण निजी मालिकों से लेकर समस्त प्रजा के प्रयोग के लिये स्वतंत्र कर दिया है।

यहां नहाने वाले सुन्दर भड़कीले रंगीन नहाने के वस्त्र तथा टोपियां पहिने समूह के समूह दिखाई पड़ते हैं। यहां प्रत्येक स्थान पर जीवन घड़बड़ाहट चिल्लाहट

और आवाज सुनाई पड़तो है। कहीं एक नाव दूसरी से टकराती है तो दूसरी ओर भीड़ के चिल्लाहट की आवाज़ होती है। कहीं गाना और नाच हो रहा है तो कहीं रोने का मार्मिक शब्द सुनाई पड़ता है प्रत्येक स्थान पर रेस्टोरेन्ट दिखाई पड़ते हैं और उनमें बाहर निकलती तथा प्रवेश करतो हुई भीड़ दिखाई पड़ती है। चारों ओर प्रसन्नता टपकती है। सभी लोग खुश दिखाई पड़ते हैं मानों उन्हें किसी प्रकार का भी कष्ट नहीं है। अच्छाई के साथ ही साथ वहाँ बदमाशी के भी चिन्ह दिखाई पड़ते हैं और बदमाशी का मुख्य कारण वहां का धन है। धनी लोगों के साथ ही साथ रोज़ाना के मज़दूरी करने वाले मज़दूर भी अपनी कमाई का कुछ न कुछ भाग बदमाशी में नष्ट करते हैं।

कोनी में प्रत्येक वस्तु बड़ी है। वहाँ नाच गान के स्थान बहुत बड़े, रेस्टोरेंट भी विशाल हैं। निजी तमाशे वाले स्थान भी बहुत हैं जहाँ भाँति भांति के तमाशे दिखाये जाते हैं और जो करोड़ों रुपये का धन लगा कर चलाये जा रहे हैं। उनके चलाने में भी मस्तिष्क का

अपूर्व प्रयोग किया गया है। समुद्र का तट भी बहुत लम्बा है यहाँ सभी कुछ बड़ा है।

कोनी हालैंड तट की भाँति सुहावना है यहाँ सुन्दर स्थान हैं जिनकी विशालता तथा मनोहरता प्रत्येक मानव-हृदय को आकर्षित करने वाली होती है।

हडसन तथा वेस्ट प्वाइंट

हडसन नदी के ऊपरी भाग की ओर यात्रा करने पर दाहिनी ओर ग्रीन्विच और चेल्सी तथा बाईं ओर वीहाकेन स्थान मिलते हैं। यहां रीवर साइड पार्क में जाइंट का स्मारक है। पार्क की बाईं ओर पालीसेडस तथा इंडियनहेड स्थान हैं।

आगे हडसन का तट बड़ा ही सुन्दर है। कुछ मील की यात्रा करने के पश्चात् याँकर्स स्थान आता है। याँकर्स स्थान पर ही मैरीफिलिप्से बालपन और युवा अवस्था में रहती थी जिसे वाशिंगटन प्यार करता था और व्याह करना चाहता था। उस समय वाशिंगटन की अवस्था २४ वर्ष की और मैरी फिलिप्से की अवस्था

२६ वर्ष की थी। मैरी वाशिंगटन से अधिक युवक प्रतीत होती थी। यॉंकर्स में अब भी फिलिप्से मैनोर हाल का भवन मौजूद है। यह भवन १६८२ ई० में बना था। इस घर की दीवार पर अब भी फिलिप्से सूली रेम्ब्रांट पीले और कोप्ले, गिल्बर्ट स्टुअर्ट, लारेंस और ली, जेफर्सन और मुनरो, जनरल गेट्स और जनरल नाक्स तथा बेञ्जामिन फ्रैंक्लिन के चित्र हैं।

मैरी फिलिप्से एक अँग्रेज़ युवती थी वह बड़ी सुन्दरी तथा धनी थी। उससे मिलने के लिये बड़े बड़े लोग जाते थे। यॉंकर्स की वह भूमि-पतिनी थी। उसका ब्याह रोगेर मोरिस से हुआ था। वाशिंगटन उसको प्यार अवश्य करता था परन्तु उसने उससे कभी भी ब्याह करने का प्रस्ताव नहीं किया। क्रान्ति के पश्चात् फिलिप्से की जायदाद छीन ली गई। वह इँगलैण्ड वापस चली गई और १८२५ ई० में उसकी मृत्यु हो गई।

यांकर्स के आगे डोब्स फेरी घाट है। यहाँ अब लिविंग्स्टन भवन का कुछ भाग शेष रह गया है। इसी के समीप रोचाम्बोयु के सेनापतित्व में फ्रान्सीसी सेना अमरीकन सेना से आ मिली थी। इसी स्थान पर

वाशिंगटन और सर गुई कार्लेटन ने न्यूयार्क को अँग्रेज़ों द्वारा खाली किये जाने वाले पत्रों पर हस्ताक्षर किये थे। इस स्थान के सामने दूसरी ओर अमरीका की स्वतंत्रता की स्वीकृति में प्रथम बार तोप की ८ मई सन १८८३ ई० को दी गई थी।

डोब्स फेरी से कुछ आगे हडसन नदी टापान ज़ी में तीन मील का पाट बना कर प्रवेश करती है। ज़ी के दाहिनी ओर इर्विंग्टन स्थान है जहां पर सनीसाइड का सुन्दर भवन है।

यह घर अमरीकन क्रान्ति के पश्चात् उसी स्थान पर बनाया गया था जिस घर को अँग्रेज़ों ने जला डाला था। जब इर्विंग ने इस घर को खरीदा था तो यह केवल एक फार्म घर था। इर्विंग ने इसको नाम ओल्फर्टस रूस्ट रक्खा था।

इर्विंग्टन से लगभग ३ मील ऊपर की ओर टापान ज़ी के सबसे चौड़े भाग पर टारीटाऊन है जिसे धनी और मुख्यकर रोकफेलर्स लोग प्यार की दृष्टि से देखते हैं। यह नगर बड़े ही सुन्दर स्थान में स्थित है। इर्विंग ने इस स्थान का वर्णन अपने लेखों तथा पुस्तकों में बार

बार किया है इसकी रमणीकता अद्वितीय है। यहाँ पर एक मोटर सड़क है जिसके दोनों ओर निवास घर बने हैं। यह सड़क नदी के समीप उसकी समानान्तर बनी है। इसी सड़क पर एक स्थान पर एक मूर्ति है जिसके चारों ओर स्काउट खड़े हैं। मूर्ति के नीचे शिला लेख भी है जिससे पता चलता है कि इसी स्थान पर मेजर अंड्रे को तीन अमरीकन स्काउटों ने पकड़ा था।

अंड्रे के पकड़े जाने वाले स्थान के समीप ही स्लीपी हालो स्थान है जहां इचाबोड क्रेन की घोड़-सवार मूर्ति है। स्लीपी हालो सेमेटरी के गिरजाघर में इर्विंग की कब्र है।

टारीटाऊन से १० मील की दूरी पर नदी के दूसरे तट पर स्टोनी प्वाइंट स्थान है जहां प्राचीन समय में किलेबन्दी थी। किले के खंडहर अब भी वर्तमान हैं। इसी स्थान पर वाशिंगटन की योजना के अनुसार वेने ने सबसे पहले ब्रिटिश सेना पर धावा मारा था।

स्टोनी प्वाइंट के दूसरी ओर नदी के पूर्वी तट पर वेर्प्लांक्स प्वाइंट है। यह एक जंगली भाग है। भूमि पहाड़ी है। वेस्ट प्वाइंट से आरम्भ होकर एक सड़क इसी ओर से जाती है।

देश दर्शन

दर्शनीय स्थान

न्यूयार्क नगर संसार का सबसे बड़ा नगर है। यहां की लगभग प्रत्येक वस्तु देखने योग्य हैं। यहाँ प्राचीन सिटीहाल, सेंट्रल पार्क, गोल्डन हिल, बेटरी पार्क, प्राचीन ट्रिनिटी गिरजाघर, ऊलवर्थ भवन, सेंट जान्स पार्क, बावरी शेरमैन स्टैच्यू (मूर्ति) रिविंग्टन स्ट्रीट, बाल स्ट्रीट, मैडीसन स्क्वाएर का टावर, उन्नीसवीं स्ट्रीट का स्टुडियो भवन, ग्रेमर्सी पार्क और प्लेअर्स क्लब, पेन्सीलवानिया स्टेशन के स्तम्भ, कोलम्बिया विश्वविद्यालय, ब्रुक्लीना का बड़ा जहाज़ी अड्डा, पेल्हामबे पार्क, ब्रोंक्स की बोटैनिकल तथा ज़ूलाजिकल वाटिकाएँ, वाशिंगटन का किला, वेस्टप्वाइंट की मिलिटरी एकेडमी, वेस्ट प्वाइंट, ग्रीन्विच गांव, वाशिंगटन स्क्वाएर, वाशिंगटन आर्च-स्टैच्यू आफ लिबर्टी, प्लेनेटारियम, जार्ज वांशिगटन पुल, वाल स्ट्रीट दुर्ग, मनहाटन बैंकघर, एम्पाएर स्टेट भवन, क्रीस्लेर भवन, रैडियो का कारपोरेशन आर० सी० ए० भवन, राकफेलेर सेंटर आदि स्थान देखने योग्य हैं।

नगर में गलियों, सड़कों और आकाश स्पर्शी भवनों



न्यूयार्क में सेंट्रल लाइन का एक आदर्श माल गुदाम।

की छटा अवर्णीय है। वहां के पुल भी बड़े दर्शनीय हैं और आधुनिक कला तथा विज्ञान के अपूर्व उदाहरण हैं। बन्दरगाह, खाड़ी, नदी और रेलों के स्टेशनों के स्थान भी देखने योग्य हैं। नगर में ऐतिहासिक स्थान, कौतुकालय आदि देखने योग्य हैं।

हिस्पानिक म्यूज़ियम ब्राडवे और १५६ स्ट्रीट पर स्थित है। यह भवन लम्बा, नीचा और सुन्दर बना हुआ है। इस कौतुकालय में स्पेनिश कला की वस्तुएँ हैं।

कोलम्बिया विश्वविद्यालय

कोलम्बिया विश्वविद्यालय का इतिहास १७५४ ई० से आरम्भ होता है। पहले यह मनहाटन के निचले भाग में किंग्स कालेज था। किंग्स कालेज का सबसे प्रसिद्ध विद्यार्थी अलिक्जंडर हैमिल्टन था। जब किंग्स कालेज का नाम बदल कर कोल्बिया रक्खा गया तो डीविट क्लिंटन प्रथम व्यक्ति था जिसने इस विश्वविद्यालय से ग्रेजुएट की उपाधि प्राप्त की।

कोलम्बिया विश्वविद्यालय तथा पुस्तकालय के भवन

बड़े सुन्दर बने हैं। उनके भीतर बहुत अधिक स्थान है। इस विश्वविद्यालय से प्रतिवर्ष २००० हज़ार से अधिक विद्यार्थी बी० ए० की परीक्षा पास करते हैं। न्यूयार्क जैसे बड़े नगर में केवल २००० विद्यार्थियों का बी० ए० परीक्षा में उत्तीर्ण होना आश्चर्य सा प्रतीत होता है परन्तु यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है। इसका कारण यह है कि उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले लोग ही बी० ए० की डिग्री लेते हैं और दूसरे लोग कालेज या स्कूल की शिक्षा प्राप्त करके दूसरे व्यवसायों में लग जाते हैं।

कोलम्बिया विश्वविद्यालय के अं.र्गत और दूसरी शिक्षा प्रदान करने वाली संस्थाएँ हैं।

सड़क तथा रीति-रिवाज

न्यूयार्क नगर में संसार के सभी अन्य दूसरे नगरों से अधिक सड़कें और गलियां हैं। इसी कारण इस नगर में सभी नगरों की अपेक्षा अधिक तेज़ चलने वाली मोटरें हैं। मोटरों को चलाने वाले ड्राइवर बड़े फुर्तीले, चतुर और कुशल हैं। सड़क पर चलने वाले

लोगों की संख्या बहुत अधिक रहती है। विदेशी लोगों के आ जाने से और सड़क पर रहने वालों के बच्चों की भीड़ सड़कों पर हो जाने से यहां की सड़कें और अधिक गुलजार हो जाती हैं।

मोटर गाड़ियों, दूसरी सवारी गाड़ियों और पुरुष-स्त्री तथा बच्चों की भीड़ अधिक होने के कारण दुर्घटनाएँ बहुत होती हैं। ग्रेटर न्यूयार्क की सड़कों पर इसी कारण २० से २३ हज़ार मनुष्य तक प्रति वर्ष घायल होते हैं। लगभग ६ हज़ार व्यक्ति आटोमोबाइल गाड़ियों से घायल होते हैं। इनमें लगभग १ हज़ार व्यक्तियों को प्राण घातक चोट प्रति वर्ष आती है।

न्यूयार्क नगर में अब प्राचीन प्रणाली की चलन नहीं है फिर भी उसकी कुछ झलक शेष है। यहां चीनी साढ़े तीन पौंड वाले बाट में तोल कर बेंची जाती है। इसे लाट्स कहते हैं यह बाट लगभग साढ़े तीन पौंड (लगभग पौने दो सेर) का होता है। अंडे भी दर्जनों में नहीं बिकते बल्कि (हमारे देश में) आमों की भांति गिनती में बेंचे जाते हैं। चाकू तथा कैंची की धार बनाने वाले अब भी अपने गोले पत्थर

तथा दूसरे सामान लेकर द्वार द्वार घूमा करते हैं। घोड़े गाड़ी और प्राचीन ढंग की गाड़ियों का अभाव हो गया है फिर भी कोई न कोई प्राचीन ढंग की गाड़ी दिखाई पड़ जाती है जिसे लोग बड़ी उत्सुकता से देखने लगते हैं।

न्यूयार्क के निवासियों के जीवन में एक भीषण परिवर्तन उत्पन्न हो गया है। अब बहुत से निवासी होटलों के कमरों में निवास करने लगे हैं। बहुत कम स्त्रियाँ अपने पतियों के साथ भोजन करती हुई मिलेंगी। यहां घर रखना एक प्रकार की बला पालनी है। घर के मालिक को नौकर, सीसा और कोयले वाले आदमी को रखना पड़ता है। उसे घर गरम रखना पड़ता है। चोर बदमाश, एजेन्ट और भीख मांगने वालों से कठिनाई उठानी पड़ती है। होटल में रहने वाले का जीवन अधिक सादा हो जाता है और उसे किसी प्रकार का घरेलू कष्ट नहीं उठाना पड़ता है। उसका जीवन अधिक सुखमय रहता है। न्यूयार्क के होटलों में भोजन करने वाले कितने ही ऐसे लोग मिलेंगे जिनके भेष से तो यही

प्रतीत होगा कि वे कोई बड़े नवाब हैं परन्तु यदि उनके घर पर जाइये तो शायद बैठने का भी स्थान मिलना कठिन हो जावेगा। इसी कारण भोज आदि होटलों, रेस्टोरेंटों तथा दूसरे पब्लिक स्थानों में दिये जाते हैं केवल धनी घरों में भोजन प्रति दिन तयार किया जाता है परन्तु उनकी संख्या दिन प्रति दिन कम होती जा रही है। इसी प्रकार भोजन सामग्री तयार करने वाली वस्तुओं की दुकानों की भी बड़ी कमी है। होटलों में समस्त भांति की भोजन-सामग्री प्राप्त हो सकती है।

न्यूयार्क के स्टोर समस्त संसार में सबसे बड़े हैं। उनमें प्रत्येक वस्तु के बेंचने के लिये अलग प्रबन्ध है। साथ ही जो छोटी छोटी दुकानें हैं उनकी दशा बड़ी अच्छी है इसका कारण यह है कि बड़े स्टोर साढ़े पांच या छः बजे बन्द हो जाते हैं दूसरे गरीब तथा निर्धन लोग अधिक तड़क-भड़क वाले स्टोरों में जाना भी पसंद नहीं करते हैं। बढ़ई और धातु सम्बन्धी काम करने वालों की भी छोटी दूकानें हैं।

न्यूयार्क में व्यापार करने का बड़ा अच्छा अवसर है। वहां कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार का भी रोज़गार

कर सकता है हां रोज़गार में लाभ और हानि भी ऐसी होती है कि लागत का रुपया तो साफ ही हो जाता है ऊपर से ऋण तथा सरकारी टैक्स चढ़ जाता है।

कितने ही मकान ऐसे हैं जिनका मूल्य कुछ वर्षों पहले कुछ भी न था परन्तु आज वह लाखों और करोड़ों की सम्पत्ति बन गये हैं और कितने ही ऐसे हैं जो पहले बड़ी लागत के थे परन्तु आज उनसे कुछ भी आय नहीं है और उनका मूल्य कुछ भी नहीं रह गया है। सरकारी कर आदि चुकाना भी असम्भव हो रहा है। वाशिंगटन स्क्वाएर में अब से लगभग २० वर्ष पहले एक व्यक्ति ने अपना मकान ८ हज़ार डालर को बेचा था। जब यह सौदा तय हो गया तो खरीदने वाले ने कहा लगभग १२ वर्ष के पश्चात् मैं इस भूमि का दाम १२ हज़ार डालर वसूल करूँगा।

इस पर बेंचनेवाले ने कहा मैं तुम्हारे इस ८ हज़ार से कैनाल स्ट्रीट पर ८० लाट भूमि खरीदूँगा और जब तुम इस भूमि से १२ हज़ार डालर वसूल करोगे तो मैं तुम्हारे ८ हज़ार डालर वाली भूमि से ८० हज़ार डालर वसूल करूँगा। आज सचमुच ही उन दोनों की बातें सत्य हैं।

देश दर्शन

न्यूयार्क के निवासी धीरे धीरे न्यूयार्क नगर को छोड़कर नगर के बाहर जाकर घर बना रहे हैं। लोग देहात की ओर अधिक हट रहे हैं इसका मुख्य कारण नगर का अधिक व्यय, शोर और भीड़ है। परन्तु मकान बदलने आदि में बड़ी हानि हो जाती है। एक बार एक बैंक ने अपने दफ़्तर एक स्थान से दूसरे समीपवर्ती स्थान को हटाये। दफ़्तर हटाने में लगभग २४ घंटे लगे थे परन्तु इसी थोड़े समय में उसे ६ करोड़ डालर की हानि हो गई थी।

न्यूयार्क के धनी लोग वहाँ के गरीब लोगों से किसी प्रकार का सम्बन्ध नहीं रखते हैं। कितने ही धनी तथा गरीब ऐसे भी हैं जिनके दादा, बाबा एक साथ काम करते थे और अब तक वह कुटुम्ब न्यूयार्क की उन्नति को बराबर देखते आये परन्तु आज वे एक दूसरे से अनभिज्ञ हैं। धनी अपने वर्गों के भाग में निवास करता है और निर्धन अपने निर्धनों के मुहल्ले में रहता है। धनी लोग गरमी के दिनों में नगर छोड़ कर चले जाते हैं। यदि समस्त समय बाहर न रह सके तो सप्ताह में एक दिन अवश्य ही बाहर चले जाते हैं। कुछ

लोग तो दिन भर काम करते हैं और रात को चले जाते हैं। वह वहां की गरमी नहीं सहन कर सकते हैं।

न्यूयार्क नगर में कदाचित् समस्त संसार से अधिक दान दिया जाता है। यहां के निवासी दान देने में बहुत कम हिचकते हैं। यहाँ दान और पुण्य खाते में अरबों और खरबों की सम्पत्ति लगी है। सहायता पहुँचाने के लिये सहायतार्थ संस्थाएँ स्थापित हैं जो नगर के प्रत्येक भाग में वर्तमान हैं। इन स्थानों पर असहाय, निर्धन पुरुष, स्त्री, बच्चों और बूढ़ों को सहायता पहुँचाई जाती है।

सबसे प्रसिद्ध सेलर्स-स्नग हार्बर है। इसका संस्थापक कैप्टन रिचर्ड रंडाल था। वांशिगटन स्क्वाएर के पूर्व की ओर की भूमि को रिचर्ड ने खरीद कर घर बनवा दिये और अमरीकन नाविकों की सहायता में उसकी आय को व्यय किये जाने को लिख दिया। यह घर लगभग १०० वर्ष पहले बने थे। यह घर बेंचे नहीं जा सकते इसके कमरे किराये पर उठाये जा सकते हैं।

इससे करोड़ों रुपये की आय है यह आय निर्धन नाविकों की सहायता में व्यय होती है।

समुद्र में जहाजों के ऊपर मुफ्त में पुस्तकालय खोलने की संस्थाएँ हैं फिर जो जहाज डूब जाते हैं उनके डूबे नाविकों की सहायता के लिये भी संस्थायें खुली हैं।

कितनी ही संस्थायें ऐसी हैं जहां बे रोज़गार मनुष्य तथा स्त्रियों से साधारण होटलों का काम लिया जाता है और उन्हें अच्छा वेतन दिया जाता है। स्त्रियों की सहायता वाली संस्थाएँ गरीब स्त्रियों को तश्तरी साफ करने, बालक तथा बालिकाओं का पालन करने का काम देती हैं। एक संस्था ऐसी है जहां उन स्त्रियों को कार्य दिया जाता है जो अपने पति के मरने के पश्चात् अपना व्याह नहीं करती हैं। कितनी ही संस्थायें ऐसी हैं जो निर्धनों को वस्त्र, जूते आदि देती हैं। शराबी, बदमाश, हत्यारे जिन्हें किसी प्रकार का काम नहीं मिल सकता उनके सहायतार्थ भी एक संस्था है। शिक्षा और रोज़गार सम्बन्धी सहायक संस्थाएँ भी बहुत हैं।

कैनाल स्ट्रीट के समीप नाइयों का स्कूल है। वहां लोगों को बाल बनाना सिखाया जाता है। लोगों को

बाल मुफ्त बनाना पड़ता है। वहां निर्धन तथा गरीब लोग ही बाल बनाने जाते हैं जो एक पाई भी व्यय नहीं कर सकते। इसके अतिरिक्त औषधालय आदि दूसरी संस्थाएँ हैं। इतना होने पर भी न्यूयार्क में लाखों व्यक्ति ऐसे हैं जो अपना पेट अपनी कमाई से नहीं भर सकते हैं।

न्यूयार्क नगर के आकाशदर्शी विशाल भवन १,२५० फुट तक ऊँचे हैं। जैसे ही हम पूर्वी नदी के ऊपरी भाग पर पहुँचते हैं हमें मनहाटन भूमि की पट्टी दिखलाई पड़ती है जिस पर न्यूयार्क के प्रधान गगनस्पर्शी विशाल भवन स्थित हैं।

१८८५ ई० से न्यूयार्क के इन विशाल घरों का बनाना आरम्भ हुआ था। इतने ऊँचे मकानों का बनाना केवल इसी कारण सम्भव हुआ कि जिस भूमि पर यह बने हैं वह ग्रेनाइट चट्टान की बनी है। जब कोई घर बनने को होता है तो पहले भूमि खरीदी जाती है उसके पश्चात् नींव बनाने के लिये नीचे की चट्टान बारूद द्वारा उड़ाई जाती है। नीचे आयताकार भूमि खोदी जाती है यह इतनी गहरी खोदी जाती है कि सड़क के धरातल के नीचे कम से कम कोठों का भवन तयार

हो जावे। इसके अतिरिक्त फौलाद के पांवों (स्तम्भों) को खड़ा करने के लिये और अधिक सूराख बनाये जाते हैं। यह स्पात वाले दुर्ग बड़े बड़े तूफानों का सामना करते हुये भी नहीं गिरते। छत के ऊपर पानी के तालाब बनाकर भी देखा गया कि मकान अपने स्थान से नहीं हटता। ऊपरी भाग मजबूत गार्डर अगणित संख्या में एक दूसरे को आर पार करते हुये लगाये जाते हैं। दीवार और छत पक्की कंकरीट की बनाई जाती हैं। जिससे यदि आग लगे तो एक स्थान से दूसरे स्थान तक न बढ़ सके। बिजली की उठाने वाली लिफ्ट कल से सामान तथा काम करने वाले को ऊपर उठाया जा सकता है। ऊपर के भागों में काम करने वाले लोग लिफ्ट के सहारे ही ऊपर जाते और नीचे उतरते हैं।

युद्ध आरम्भ हो जाने से इन विशाल आकाशस्पर्शी भवनों की समस्या जटिल हो गई है कि यह बम्ब वर्षा का सामना किस तरह कर सकेंगे। यूँ तो प्रथम दृष्टि डालने पर पता चलता है कि ऊँचे भवनों पर शत्रु बड़ी सुगमता के साथ बम्ब वर्षा कर सकेगा। शत्रु के बम्ब के निशाने लगाने में कठिनाई न होगी परन्तु

न्यूयार्क नगर

विशेषज्ञों का कहना है कि बम्ब वर्षा होने पर लन्दन की अपेक्षा न्यूयार्क के घरों को कम हानि पहुँचेगी इसका कारण यह है कि यदि ऊपर से नगर को देखा जाय तो पक्की कंकरीट की छतों और नीची कन्दराओं के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं दिखाई पड़ता है। अब यदि बम्ब गिरता है तो वह या तो किसी एक स्क्वाएर के ऊपर गिरेगा या नीचे सड़क पर किसी स्क्वाएर के ऊपर गिरेगा।

यदि बम्ब सड़क पर गिरता है तो और दूसरे स्थानों की भांति गहरा गड्ढा बना देगा और नीचे की नालियों को तोड़ देगा परन्तु बाहर की ओर अधिक हानि न पहुंचा सकेगा। यदि बम्ब ऊपर की ओर दौड़ेगा तो मकान की खिड़कियों के शीशे और कर्निशें टूट जावेंगी। यदि बम्ब घरों के बगल चलने वाले मार्ग पर गिरता है तो समीपवर्ती निचली दीवारें टूट कर भीतर की ओर चली जावेंगी और ऊपर के कई एक कोठे धड़ाके के कारण फट जावेंगे। यदि नीचे के भाग में ५०० या १००० पौंड का बम्ब गिरता है तो अवश्य हो वह भीषण हानि का कारण बनेगा। ऊँचे भवन की

छत पर यदि बम्ब सीधा गिरता है तो उससे बड़ी हानि होगी। यदि बम्ब कुछ देरी करके फटने वाला है तो वह कम से कम दस कोठों की छतों को तोड़ कर नीचे आवेगा और फिर दसवीं छत पर वह फटेगा। उसके फटने से उस कोठे तथा उसकी छत की दीवारें उड़ जावेंगी जिससे उसके ऊपर के दो तीन कोठे गिर जावेंगे। इन सब बातों के होते हुये भी किसी दशा में भी ऊँचे भवनों के फौलादी ढांचे को किसी प्रकार की हानि न पहुँचेगी।

आग लगाने वाला बम्ब यदि ऊपरी छत पर गिरता है तो वह सबसे ऊपरी छत को पार कर नीचे नहीं जा सकेगा जब तक कि वह मकान भारी विस्फोटक पदार्थ से नष्ट न हो गया हो। ऊँचे विशाल भवन जो कांक्रीट के बने हैं उनको बम्ब द्वारा जलने का भय नहीं है परन्तु उनके अतिरिक्त न्यूयार्क के नीचे भवन जो भूरे पत्थर के बने हैं उनके लिये वही खतरा है जो कि लन्दन के घरों को है। भूरे पत्थर से बने हुये मकानों में ही लोग अधिकतर रहते हैं।